जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 29 संख्याः 322 प्रभात उदयपुर, शनिवार 24 सितम्बर, 2022 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

कीटनाशक युक्त फूल पर बैठने के बाद मधुमक्खियां इतनी ज्यादा प्रभावित हो जाती हैं कि वे सीधी लाइन में उड़ भी नहीं पातीं । शोधकर्ताओं ने पाया कि कीटनाशक मधुमक्खियों के नर्वस सिस्टम को गंभीर नुकसान पहुंचाते हैं। नए शोध में वैज्ञानिकों ने सल्फॉक्साफ्लोर और इमिडक्लोप्रिड, जैसे कीटनाशकों के मधुमक्खियों पर प्रभाव का अध्ययन किया। युनिवर्सिटी ऑफ ऑक्सफर्ड में वैज्ञानिक, मुख्य शोध लेखक रेचल पार्किन्सन ने कहा कि, ''मेरे पूर्व शोध में सामने आया था कि कीटनाशकों के संपर्क में आए टिड्डे रास्ते में आने वाली वस्तुओं से टकराने से बचने के लिए ना तो जंप करते हैं ना ही अपना रास्ता बदलते हैं। क्योंकि कीटनाशकों की वजह से उनकी देखने की क्षमता प्रभावित हो जाती है। मैं यह देखना चाहती थी कि क्या मधुमक्खियों पर भी ऐसा कोई प्रभाव पड़ता है? क्योंकि उड़ान को स्थिर करने व दिशाज्ञान के लिए मधुमक्खियाँ भी किसी वस्तु की चाल व गति को देख पाने की अपनी क्षमता पर निर्भर होती हैं, जो कि कीटनाशकों से प्रभावित हो जाती हैं। मेरा मत था कि, कीटनाशक से ''कॉलोनी कोलैप्स डिस्आर्डर'' हो सकता है। जिसके कारण कीटनाशकों के संपर्क में आई मधुमक्खियों को अपने घर वापस जाने में बहुत मुश्किल होती है। यह विकार सबसे पहले वर्ष 2000 की शुरुआत में देखा गया था जब मधुमक्खियों की आबादी में भारी कमी आई थी। कुछ मधुमक्खी पालकों ने कहा कि, उनके यहाँ मधुमक्खियों की संख्या 30-90 प्रतिशत कम हुई। रानी मक्खी और अवयस्क मधुमक्खियां तो रह गईं पर श्रमिक मधुमक्खियां लुप्त हो गई थीं और श्रमिकों के अभाव में कॉलोनियां नष्ट हो गईं। एक स्वस्थ मधुमक्खी में ''ऑप्टोमीटर रैस्पॉन्स'' क्षमता होती है, जो उसे सीधे रास्ते पर लौटने में मदद करती है। इस शोध के लिए वैज्ञानिकों ने प्रयोगशाला में मधुमक्खियों को 5 दिनों तक, सुक्रोज़ में मिलाकर कई प्रकार के कीटनाशकों से एक्सपोज़ किया। उन्होंने पाया कि जिन मधुमक्खियों को कीटनाशकों से एक्सपोज़ किया गया था वे सीधी दिशा में आगे नहीं बढ़ सकीं। ये नतीजे फंट्रियर्स इन इन्सैक्ट साईन्स में छपे हैं।

गहलोत तब तक मु.मंत्री बने रहना चाहते हैं, जब तक वे कांग्रेस अध्यक्ष निर्वाचित नहीं होते

दूसरी ओर सोनिया गांधी ने गहलोत से कहा है कि, नामांकन पर्चा भरने से पहले अपना इस्तीफा दे दें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने तय कर लिया है कि वे राजी-खुशी से नहीं जायेंगे, बल्कि वे तब तक यहाँ रुके रहेंगे, जब तक वे बाकायदा कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बन जाते। और अगर चुनाव हुआ, जिसकी संभावना ज्यादा दिखाई दे रही है, तो वह अगले माह में ही होगा।

सोनिया गांधी ने गहलोत से कह दिया है कि उन्हें नामांकन पत्र दाखिल करने, जो अगले सप्ताह होगा, से पहले, अपना त्याग पत्र दे देना चाहिये।

लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि गहलोत के मन में कुछ और ही है। गहलोत के निकटस्थ एक ए.आई.सी.सी. पदाधिकारी ने कहा कि नये मुख्यमंत्री के विषय में निर्णय अगले माह के अंत तक ही होगा क्योंकि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये चुनाव 17 अक्टूबर को है।

उन्होंने साफ-साफ कहा कि गहलोत तब तक इस्तीफा नहीं देंगे, जब तक वे पार्टी अध्यक्ष चुन नहीं लिये जाते। चूँकि कई अन्य लोग भी चुनाव लड़ रहे हैं, इसलिये जानकार लोगों का कहना है कि ऐनवक्त पर कुछ भी संभावित हो सकता है। विशेष रूप से राजनीति में तो ऐसा होता ही है। सूत्रों का कहना है कि राहुल गांधी के इशारे पर दिग्विजय सिंह भी बोले ही थे, जब उन्होंने कहा था कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिये नामांकन पत्र दाखिल करने से पहले, गहलोत को इस्तीफा देना होगा। कांग्रेस नेतृत्व यह समझता है कि कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद, अशोक गहलोत सचिन पायलट के खिलाफ अध्यक्षीय विशेषाधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। और इसलिये कांग्रेस नेतृत्व अशोक गहलोत की ओर से किसी प्रकार की खीज का जोखिम उठाना नहीं चाहता।

अशोक गहलोत एक ऐसे व्यक्ति हैं, जो सोनिया गांधी को अपनी अंगुली पर नचाते रहे हैं, लेकिन इस बार उनका मुकाबला राहुल और प्रियंका गांधी से है, जिन्होंने यह निश्चय कर लिया है कि अगर कांग्रेस पार्टी को अगले विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करना है तथा सत्ता में वापस आने की अपनी उम्मीद को जीवित रखना है, तो गहलोत को राजस्थान छोड़ना ही होगा।

सत्ता में वापस आने के लिये

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- जैसा की विदित ही है, अध्यक्ष पद का चुनाव 17 अक्टूबर को होगा तथा नामांकन पर्चा दाखिल करने की अंतिम तारीख तीस सितम्बर है।
- अतः सवाल यह है कि, गहलोत अपना इस्तीफा इस महीने अंत तक, तीस सितम्बर तक दे देंगे या अगले महीने अध्यक्ष पद का चुनाव हो जाने के बाद, 17 अक्टूबर के बाद देंगे।
- अब तक गहलोत, सोनिया गांधी को किसी न किसी तरह मनाकर अपने मन माफिक निर्णय करा लेते थे, पर इस बार यह संभव होता नहीं दिख रहा है, क्योंकि इस बार राहुल गांधी व प्रियंका गांधी इस बारे में दृढ़ संकल्प हैं कि, गहलोत के मु.मंत्री रहते हुए, अगर राजस्थान में विधानसभा चुनाव हुए तो, कांग्रेस की सत्ता में आने की कोई आशा भी नहीं रहेगी, अतः किसी युवा नेतृत्व की कप्तानी में विधानसभा चुनाव लड़ना पार्टी के हित में है।

प्रणय सुप्रीम कोर्ट की शरण में

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। नई दिल्ली लिमिटेड (एन.डी. टी.वी.) के प्रमोटर प्रणव रॉय तथा उनकी पत्नी राधिका रॉय, और उनकी इन्वैस्टमैंट फर्म आर.आर.आर. होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड ने उन पर लगाये गये 5 करोड़ रू. जुर्माने के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय का दरवाज़ा खटखटाया है। उन पर यह जुर्माना उनके द्वारा ऋण-इकरारनामों के छुपाये जाने के कारण सिक्योरिटीज एपैलेट ट्रिब्यूनल (एस.ए.टी.) द्वारा लगाया गया है।

एन.डी. टी.वी. द्वारा की गई रैग्यूलेटरी फाइलिंग के अन्तर्गत, उन्होंने

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- एन.डी.टी.वी. के प्रमोटर प्रणय रॉय एवं उनकी पत्नी ने सिक्युरिटीज़ अपैलैट ट्रिब्युनल द्वारा लगाए गए 5 करोड़ रू. के जुर्माने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील की है।

उद्धव ठाकरे की बॉम्बे हाई कोर्ट में भारी जीत!

न्यायालय ने ठाकरे की पार्टी को शिवाजी पार्क में दशहरा के अवसर पर रैली आयोजित करने की अनुमति दी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के लिए यह एक बड़ी जीत है। बॉम्बे हाईकोर्ट ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मध्य मुम्बई स्थित प्रतिष्ठित शिवाजी पार्क में 5 अक्टूबर को वार्षिक दशहरा रैली आयोजित करने की आज मंजूरी दे दी।

जस्टिस आर.डी. धानुका और जस्टिस कमल खांटा ने ठाकरे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट और उसके सचिव अनिल देसाई द्वारा दायर याचिका पर यह अनुमति दी। याचिका में मुम्बई पालिका के उस आदेश को चुनौती दी थी जिसमें रैली आयोजित करने की मंजूरी नहीं दी गई थी। ब्रहन्मुम्बई म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) ने 21 सितम्बर को कहा था कि वह मंजूरी देने से इन्कार कर रहा है क्योंकि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना के प्रतिद्वंद्वी गुट के विधायक सदा सरवंकर ने ऐसा ही एक आवेदन प्रस्तुत किया है, और यदि एक गुट को मंजूरी दी जाती है तो इससे कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाएगी, जैसी कि स्थानीय पुलिस ने आशंका जतायी है।

हाईकोर्ट द्वारा उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना को मुम्बई के शिवाजी पार्क में दशहरा रैली आयोजित करने की अनुमति प्रदान किए जाने से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- शिवाजी पार्क का शिव सेना के लिये भारी महत्व है। सन् 1966 में शिव सेना के गठन के बाद बाल ठाकरे ने अपनी पहली बड़ी रैली शिवाजी पार्क में आयोजित की थी तथा 1995 में शिव सेना के प्रथम मु.मंत्री मनोहर जोशी ने अपना शपथ ग्रहण समारोह शिवाजी पार्क में ही आयोजित किया था तथा नवम्बर 2012 में मृत्यु उपरांत बाल ठाकरे का दाह संस्कार यहीं हुआ था।
- शिव सेना के विभाजन के बाद, उद्धव ठाकरे व शिंदे के खेमे, शिवाजी पार्क में दशहरा रैली को आयोजित करने का मामला हाई कोर्ट तक ले गये थे।
- अब शिव सेना के उद्धव ठाकरे के खेमे को रैली के आयोजन की अनुमति मिलने से ठाकरे खेमा अति आल्हादित है।

गहलोत का गेम प्लान

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का एक नया गेम प्लान है। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर निर्वाचित होने के बाद एक पार्टी हाईकमान के रुप में वह यह तय करना चाहते हैं कि राजस्थान में उनके बाद मुख्यमंत्री पद का उत्तराधिकारी कौन होगा। उन्होंने शुक्रवार को इसके संकेत दिए कि पार्टी अध्यक्ष चुनाव

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- पार्टी अध्यक्ष बनने तक राजस्थान के मु.मंत्री पद पर काबिज रहना और अध्यक्ष बनने के बाद अपनी मर्जी का मु.मंत्री बनाना चाहते हैं गहलोत, ताकि सचिन पायलट को सी.एम. बनने से रोका जाये।

वो दिन गये जब राजनीतिज्ञ कुछ भी कह सकते थे

सोशल मीडिया आदि से हर नेता का पब्लिक उद्घोष रिकॉर्ड हो रहा है तथा कुछ भी कह कर बच निकलना असंभव हो गया है

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। पुराने जमाने के राजनेता, टैक्नॉलजी तथा सोशल मीडिया की गैर मौजूदगी में, कुछ भी कहकर बच निकलते थे लेकिन अब, उनके शब्द की मॉनिटरिंग तथा विश्लेषण होता है। इसके उदाहरण स्वरूप कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस भूल को लिया जा सकता है, जब उन्होंने आटे को लीटर में नापने की बात कह दी थी तथा वे बुरी तरह ट्रोल हुये थे।

लेकिन कांग्रेस भी पीछे नहीं है उसने भी कई बार भाजपा दिग्गजों जिनमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल हैं, की कमियों को पकड़ा और जवाबी हमला किया है। इस समय यह बिल्कुल स्पष्ट है कि प्रौद्योगिकी तथा सोशल मीडिया के युग में, सार्वजनिक जीवन से संबंधित लोगों को अपनी कथनी, करनी एवं आचरण-व्यवहार में बहुत सावधान रहने की जरूरत है क्योंकि उनकी प्रत्येक गतिविधि आने वाली सन्ततियों के लिये रिकॉर्ड की जाती है तथा तत्काल संदर्भ एवं उनके विरोधियों द्वारा उपयोग एवं दुरुपयोग के लिये उपलब्ध रहती है।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- राहुल गांधी ने आटे को लीटर में नापा तो सोशल मीडिया ने उन्हें नहीं बख्शा, बहुत देर तक वे ''ट्रोल'' हुए।
- इसी प्रकार, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने मदुरै में उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा, मदुरै में एम्स की बिल्डिंग बनाने का 95 प्रतिशत काम पूरा हो गया है तो, मदुरै के कांग्रेस सांसद व पड़ोसी लोकसभा सीट के मार्क्सवादी पार्टी के सांसद, उस स्थान पर पहुंचे, जहां एम्स की बिल्डिंग 95 प्रतिशत पूरी होने का दावा किया था।
- दोनों सांसदों ने पाया जहां बिल्डिंग बननी थी, वहां एक ईंट भी नहीं रखी गयी है।
- सोशल मीडिया पर भारी शोर मचा कि, एम्स की बिल्डिंग ''चोरी'' हो गयी और यह तूफान भाजपा अध्यक्ष पर व्यंग्य करते हुए कई दिनों तक चला।

नविका कुमार

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने भाजपा की पूर्व प्रवक्ता नूपुर शर्मा द्वारा पैगम्बर मोहम्मद पर की गई विवादास्पद टिप्पणियों को टाइम्स नाउ टी.वी. चैनल के प्राइम टाइम शो ''द न्यूज आवर'' पर एयर करने को लेकर चैनल की ग्रुप एडिटर नविका कुमार (44) के खिलाफ दर्ज सभी एफ.आई.आर. को एक साथ मिलाकर शुक्रवार को दिल्ली पुलिस को हस्तांतरित कर दिया।

जस्टिस एम.आर. शाह और

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- सुप्रीम कोर्ट ने पैगम्बर मोहम्मद के खिलाफ टिप्पणी के विवाद में टाइम्स नाओ की नविका कुमार के खिलाफ दर्ज सभी एफ. आई. आर. क्लब करके दिल्ली पुलिस के सुपुर्द कर दी हैं।

सचिन पायलट एयरपोर्ट से सीधे विधानसभा पहुंचकर विधायकों से मिले, फिर पायलट से घर मिलने पहुंचे विधायक

इधर राजेन्द्र गुढ़ा बोले, आलाकमान सचिन पायलट का नाम तय करेगा और जयपुर का खुशनुमा मौसम भी यही इशारा कर रहा है। इसके बाद पायलट से घर जाकर मिले गुढ़ा

जयपुर, 23 सितम्बर (का.प्र.)। राजस्थान के बदलते सियासी घटनाक्रमों के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कोच्चि से घोषणा की है कि वे कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करेंगे, क्योंकि राहुल गांधी ने स्पष्ट कह दिया है कि गांधी परिवार का कोई भी सदस्य कांग्रेस अध्यक्ष नहीं बनेगा। दूसरी ओर बदलते घटनाक्रम के बीच सचिन पायलट जयपुर पहुंचे और सीधे विधानसभा गए, जहां बदले नजारे में उनके स्वागत में हमेशा साथ रहने वाले विधायकों के अलावा गिर्राज सिंह मलिंगा, खुशवीर सिंह जोजावर भी खड़े थे। हां पक्ष लॉबी में उनके साथ वे विधायक भी मौजूद थे, जो अशोक गहलोत की बेहद नजदीकी माने जाते हैं।

सचिन पायलट ने जयपुर पहुंचने के बाद ना सिर्फ विधानसभा पहुंचकर विधायकों के साथ में मुलाकात की। ऐसे संकेतों के बाद स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस आलाकमान ने बहुत स्पष्ट रूप से विधायकों को संकेत दे दिया है कि वे मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के उत्तराधिकारी के रूप में किसे देखना चाहते हैं। यही कारण रहा कि बसपा से कांग्रेस में आने वाले तथा पंचायत राज्य मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा ने कहा कि हमें लगता है कि आलाकमान सचिन पायलट के नाम को हरी झंडी देगा और हम तथा निर्दलीय विधायक सचिन पायलट के साथ रहेंगे। इसी के साथ उन्होंने कहा कि आज जयपुर का खुशनुमा मौसम भी इसी बात की ओर इशारा कर रहा है।

इधर सचिन पायलट ने जयपुर में विधानसभा पहुंचकर विधायकों के साथ में चर्चा करने के साथ ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी के चेंबर में जाकर उनसे भी चर्चा की। ऐसे में माना जा रहा है कि आलाकमान की ओर से सचिन पायलट से कहा गया है कि वे कांग्रेस,निर्दलीय तथा अन्य पार्टियों के विधायकों से मुलाकात करके उनसे आगे की रणनीति को लेकर चर्चा करें। इसीलिए सचिन पायलट अचानक दिल्ली से जयपुर पहुंचने का कार्यक्रम बनाया और इसी कार्यक्रम के मुताबिक उन्होंने विधायकों से मुलाकात की है।

इस बीच माना जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और संभावना जताई जा रही है कि उनका नामांकन 28 सितंबर को होगा। ऐसे में उसी दिन कांग्रेस आलाकमान विधायक दल की बैठक बुलाकर मुख्यमंत्री के नाम पर फैसला लेगा। परंपरा के अनुसार विधायक एक लाइन का प्रस्ताव आलाकमान के पास भेजेंगे और उसके बाद आलाकमान निर्देशित करेगा की मुख्यमंत्री की शपथ कब होनी है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी आज के अपने बयानों में कहा है कि मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इस बारे में आलाकमान और राजस्थान के प्रभारी अजय माकन तय करेंगे।

यह बात भी बताती है कि आलाकमान की ओर से सभी को स्पष्ट रूप से संकेत दिए जा

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- विधानसभा में गहलोत के साथ दिखने वाले विधायक भी सचिन पायलट का स्वागत करने पश्चिमी द्वार पर पहुंचे।
- यह बात भी यही बताती है कि, आलाकमान की ओर से सभी को स्पष्ट रूप से संकेत दिए जा चुके हैं कि, आने वाले दिनों में राजस्थान की कमान किसके हाथ में होगी। सभी विधायकों के राजनीतिक स्वर बदलने लगे हैं, जिनमें अशोक गहलोत के कट्टर समर्थक बाबूलाल नागर भी शामिल हैं, जिन्होंने शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा कि, वह तो खुद राजेश पायलट के कट्टर समर्थक रहे हैं।
- जब भारत जोड़ो यात्रा में एक दिन के विश्राम के लिए राहुल गांधी का दिल्ली आने का कार्यक्रम निरस्त हो गया तो, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दिल्ली जाने के बजाए शिर्डी में साई बाबा के दर्शन करने के बाद सीधे जयपुर लौट आए। यहां आकर गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों को मुलाकात के लिये अपने निवास पर बुलाया।

विचार बिन्दु

डूबते को तारना ही अच्छे इंसान का कर्तव्य होता है। –अज्ञात

खतरनाक है बच्चों के लिए मोबाइल फोन

इस शताब्दी का सबसे उन्नत और प्रभावी संचार उपकरण मोबाइल फोन है। मोबाइल फोन हम सभी की जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन चुके हैं। टेक्नोलॉजी के इस दौर में बच्चों का मोबाइल से खास लगाव हो चला है। आजकल बच्चे से बुजुर्ग के हाथों में मोबाइल देखा जा सकता है। आजकल ज्यादातर बच्चे मोबाइल फोन की बुरी आदत का शिकार हो गए हैं। बच्चों को मोबाइल फोन की ऐसी लत लगी है कि वो सोते-जागते, खाते-पीते, सिर्फ फोन में लगे रहते हैं। मोबाइल के बेहताशा उपयोग का बच्चों पर दुष्प्रभाव की जानकारी हर किसी को होनी जरुरी है ताकि यह पत्ता चल सके की यह बच्चों के लिए लाभकारी है या हानिकारक।

मोबाइल बच्चों का दोस्त है या दुश्मन। बिना विलंब किए अभिभावकों को इस पर गहनता से मंथन की जरुरत है। हाल ही में प्रयागराज में मोबाइल को लेकर ऐसी घटना सामने आई जो किसी भी पेरेंट को सोचने पर मजबूर कर देगी। 9वीं कक्षा की छात्रा को जब मोबाइल पर गेम खेलते देखा तो पिता ने डांट दिया। ऐसे में बेटी ने रात होते ही अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली। यह ऐसा कोई पहला मामला नहीं है। देश के हर कोने से ऐसे मामले अक्सर सुर्खियों में आते रहते हैं। आजकल मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल बच्चों को इंटरनेट एडिक्शन की तरफ ले जा रहा है। इस तरह के एडिक्शन से मानसिक बीमारियां पैदा होती हैं और ऐसे में बच्चे कोई न कोई गलत कदम उठा लेते हैं। आजकल के बच्चे इंटरनेट लवर हो गए हैं। इनका बचपन रचनात्मक कार्यों की जगह डेटा के जंगल में गुम हो रहा है। पिछले कई सालों में सूचना तकनीक ने जिस तरह से तरक्की की है, इसने मानव जीवन पर गहरा प्रभाव डाला है बल्कि एक तरह से इसने जीवनशैली को ही बदल डाला है। बच्चे और युवा एक पल भी स्मार्टफोन से खुद को अलग रखना गंवारा नहीं समझते। इनमें हर समय एक तरह का नशा सा सवार रहता है। वैज्ञानिक भाषा में इसे इंटरनेट एडिक्शन डिस्ऑर्डर कहा गया है।

अपने बच्चों को मोबाइल और कंप्यूटर पर गेम खेलते अनेक माता-पिता बहुत खुश होते हैं। वे दूसरों को बड़े गर्व के साथ यह बताते तनिक भी नहीं हिचकते की उनका बेटा डिजिटल दुनियां के नए जमाने के साथ दौड़ रहा है। वे बड़े खुशी से बताते हैं कि वह मोबाइल पर फोटो निकाल लेता है। मैसेज भेज देता है। व्हाट्सप पर बात कर लेता है और फोटो, वीडियो शेयर कर लेता है। यहाँ तक की गूगल पर कुछ भी खोज लेता है। लेकिन शायद वह इस बात से अनजान है कि जिसे वह बच्चे की स्मार्टनेस समझ रहे हैं वह उसके विकास में बाधा भी बन सकता है। विशेषज्ञ मानते है कि इलेक्ट्रॉनिक गजेट और कंप्यूटर का अत्यधिक प्रयोग बच्चों के लिए अच्छा नहीं है। इससे उनमें संवादहीनता और चिड़चिड़ेपन की प्रवृत्ति बढ़ती है।

देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और न ही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जारहे है और वास्तविक समस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है।

मौजूदा दौर में बच्चों में खेलकूद का स्थान इंटरनेट ने ले लिया है। इसका सीधा प्रभाव बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर पड़ा है। शहरों के साथ अब गांवों में भी मोबाइल की पहुँच होने से बच्चों में इंटरनेट की लत बढ़ गई है। इससे उनमें संवादहीनता का खतरा बढ़ रहा है। बच्चे के ऐसे व्यवहार को अनदेखा करने की जगह इस पर सजग और सावधान होने की जरूरत है। मनोवैज्ञानिक मानते हैं कि इससे बच्चों का स्वाभाविक विकास बुरा प्रभाव पड़ता है।

एक अभिभावक का कहना है उसका बेटा स्कूल से आते ही कंप्यूटर पर बैठ जाता है, कई आवाज लगाने पर भी हिलता तक नहीं। बाहर घूमने की जगह उनका बेटा कंप्यूटर पर व्यस्त रहता है, लेकिन अब उसके व्यवहार पर चिंता होने लगी है। वह किसी से बात करना तक पसंद नहीं करता, ज्यादा कुछ बोलों तो चिढ़ जाता है या चिल्लाकर जवाब देता है। एक दूसरा अभिभावक अपनी बेटी के व्यवहार से चिंतित है। वह कहती हैं कि अभी आठवीं कक्षा में ही है, लेकिन उसके अंदर इस उम्र के बच्चों सी चपलता और चंचलता नहीं है। काफी कम बोलती है। इंटरनेट सर्फिंग में उसका खाली समय बीतता है।

चिकित्स्कीय आंकड़ों के मुताबिक 12 से 18 महीने की उम्र के बच्चों में स्मार्टफोन के इस्तेमाल की बढ़ोतरी देखी गई है। ये स्क्रीन को आंखों के करीब ले जाते हैं और जिससे आंखों को नुकसान पहुंचता है। आंखें सीधे प्रभावित होने से बच्चों को जल्दी चश्मा लगने, आंखों में जलन और सूखापन, थकान जैसी दिक्कते हो रही हैं। स्मार्टफोन चलाने के दौरान पलकें कम झपकाते हैं। इसे कंप्यूटर विजन सिंड्रोम कहते हैं। माता-पिता ध्यान दें कि स्क्रीन का सामना आधा घंटे से अधिक न हो। कम उम्र में स्मार्टफोन की लत की वजह बच्चे सामाजिक तौर पर विकसित नहीं हो पाते हैं। बाहर खेलने न जाने की वजह से उनके व्यक्तित्व का विकास नहीं हो पाता। मनोविशेषज्ञों के पास ऐसे केस भी आते हैं कि बच्चे पसंदीदा कार्टून कैरेक्टर की तरह ही हरकतें करने लगते हैं। इस कारण उनके दिमागी विकास में बाधा पहुंचती है। बच्चे अक्सर फोन में गेम खेलते या कार्टून देखते हुए खाना खाते हैं। इसलिए वे जरूरत से अधिक या कम भोजन करते हैं। अधिक समय तक ऐसा करने से उनमें मोटापे की आशंका बढ़ जाती है।

देश में इंटरनेट के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल में बचपन खोता जा रहा है जिसकी परवाह न सरकार को है और न ही समाज इससे चिंतित है। ऐसा लगता है जैसे गैर जरुरी मुद्दे हम पर हावी होते जा रहे है और वास्तविक समस्याओं से हम अपना मुंह मोड़ रहे है। यदि यह यूँ ही चलता रहा तो हम बचपन को बर्बादी की कगार पर पहुंचा देंगे। देश के साथ यह एक बड़ी नाइंसाफी होगी जिसकी कल्पना भी हमें नहीं है। जब से इंटरनेट हमारे जीवन में आया है तबसे बच्चे से बुजुर्ग तक आभासी दुनियां में खो गए है। हम यहाँ बचपन की बात करना चाहते है। देखा जाता है पांच साल का बच्चा भी आँख खोलते ही मोबाइल पर लपकता है। पहले बड़े इसे अपने काम के लिए करते थे। अब बच्चे भी इंटरनेट के शौकीन होते जा रहे हैं। बाजार ने उनके लिए भी इंटरनेट पर इतना कुछ दे दिया है कि वह पढ़ने के अलावा बहुत कुछ इंटरनेट पर करते रहे हैं। पेरेंट्स को बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर रखनी चाहिए और समय रहते उनकी ऐसी आदत को पॉजेटिव तरीके से दूर करना चाहिए।

–अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

समाजवाद के प्रणेता अहिंसावादी अग्रवंशी सम्राट महाराजा अग्रसेन

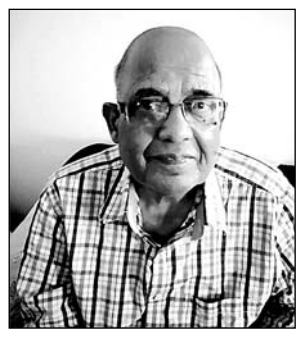

डा. जे. के. गर्ग

निर्विवाद रूप से किसी भी राष्ट्र या समाज एवं परिवार को उन्नत विकसित और कल्याणकारी बनाने के लिये उसके आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक स्तम्भों का मजबूत होना अति आवश्यक है। लगभग 5141 वर्ष पूर्व महाराजा अग्रसेनजी इन्हीं चार स्तंभों को मजबूत कर समृद्धशाली, कल्याणकारी समाजवादी एवं शक्तिशाली राज्य का निर्माण करने में सफल हुए थे। अग्रसेन एक पौराणिक कर्मयोगी लोकनायक होने के साथ -साथ अहिंसा और समाजवाद के प्रणेता दानवीर युग पुरुष थे जिनका जन्म अश्विनशुक्ल प्रतिपदा के दिन प्रताप नगर के सूर्यवंशी राजा वल्लभसेन के यहाँ हुआ था उनकी माताजी का नाम भगवती देवी था। प्रतापनगर राजस्थान एवं हरियाणा राज्य के बीच सरस्वती नदी के किनारे स्थित हुआ करता था ।

ऐसा भी कहा जाता है की महाराजा अग्रसेन भगवान श्रीराम के पुत्र कुश की 34वी पीढ़ी के थे। इस मान्यता के मुताबिक अग्रवंशी भगवान राम के वंशज होते है। कहा जाता है कि महाभारत के दसवें दिन राजा वल्लभसेन वीर गति को प्राप्त हो गये थे। पन्द्रह वर्ष की अल्प आयु मे ही अग्रसेनजी ने महाभारत के धर्मयुद्ध में पांडवो की तरफ से भाग लिया था। भगवान श्रीकृष्ण भी उनकी बुद्धिमता, शोर्य, पराक्रम, समझबूझ से अत्यंत प्रभावित हुए थे और उन्होंने भविष्यवाणी की थी कि युवा अग्रसेन भविष्य में एक पराक्रमी सम्राट एवं युग पुरुष होंगे ।

विवाह–युवा अग्रसेन ने सर्पों के राजा नागराज की बेटी राजकुमारी माधवी के स्वयंवर में अनेकों राजाओं, राजकुमारों और स्वर्ग के सम्राट इंद्रदेव के साथ भाग लिया था। स्वयंवर में राजकुमारी माधवी ने राजकुमार अग्रसेन का चयन कर उनका वरण किया। अग्रसेन माधवी के विवाह से दो विभिन्न संस्कृतियों एवं परिवारों का मिलन हुआ क्योंकि राजकुमार अग्रसेन जहाँ एक सूर्यवंशी थे वहीं राजकुमारी माधवी एक नागवंशी थी।

भगवान शिव और माता लक्ष्मी की आराधना

महाभारत के युद्ध के कारण जन धन की बहुत तबाही हुई थी इसलिए अपने राज्य की खुशहाली के वास्ते महाराजा अग्रसेन ने काशी जाकर भगवान शिव की कठोर तपस्या की जिससे खुश हो कर भगवान शिवजी ने उन्हें दर्शन दिया और उनको आदेश दिया कि वे महालक्ष्मी जी की पूजा और ध्यान करें। अग्रसेन ने महालक्ष्मी की पूजा आराधना शुरू कर दी। माँ लक्ष्मी ने उनकी परोपकार हेतु की गई तपस्या से खुश होकर उन्हें दर्शन दिए और आदेश दिया कि वे अपना एक नया राज्य बनायें और क्षत्रीय परम्परा के स्थान पर वैश्य परम्परा अपना लें। माता लक्ष्मी ने उन्हें आशीर्वाद दिया कि उनके और उनके अनुयायियों को कभी भी किसी चीज की कमी नहीं होगी । लक्ष्मी माता का आदेश मान कर अग्रसेन महाराज ने क्षत्रीय कुल को त्याग वैश्य धर्म को अपना लिया, इस प्रकार महाराजा अग्रसेन प्रथम वैश्य सम्राट बने ।

अग्रोहा शहर का जन्म

देवी महालक्ष्मी से आशीर्वाद प्राप्त करने के बाद राजा अग्रसेन ने नए राज्य की स्थापना एवं उस राज्य की राजधानी के चयन हेतु रानी माधवी के साथ भारत का भ्रमण किया, अपनी यात्रा के दौरान वे एक जगह रुके जहाँ उन्होंने देखा कि कुछ शेर और भेड़िये के बच्चे साथ खेल रहे थे। राजा अग्रसेन ने रानी माधवी से कहा के ये बहुत ही शुभ दैवीय संकेत है जो हमें इस पुण्य भूमि पर हमारे राज्य की राजधानी को स्थापित करने का इशारा कर रहा है। ऋषि मुनियों और ज्योतिषियों की सलाह पर नये राज्य का नाम अग्रेयगण रखा गया, जिसे कालान्तर में यह स्थान अग्रोहा नाम से जाना गया। अग्रोहा हरियाणा में हिसार के पास है। आज भी यह स्थान अग्रवाल समाज के लिए तीर्थ स्थान के समान है। यहां भगवान अग्रसेन, माता माधवी और कुलदेवी माँ लक्ष्मी जी के भव्य और दर्शनीय मंदिर है ।

समाजवाद के प्रेरणता

महाराजा अग्रसेन जी के राज्य में यह परंपरा थी कि जो भी व्यक्ति या परिवार उनके राज्य में आकर बसता था, अग्रोहा के सभी निवासी नवागंतुक नागरिक को सम्मान और स्वागत के रूप में एक रुपया और एक ईंट भेंट करते थे। कहा जाता है कि उस समय अग्रोहा में लगभग एक लाख से अधिक परिवार बसते थे। इस प्रकार उनके राज्य में आने वाला हर नागरिक एक लाख रुपये तथा एक लाख ईंटों का स्वामी बन जाता था। इन रुपयों से वह अपना व्यवसाय प्रारम्भ कर लेता था वहीं ईंटों से अपना खुद का मकान बना लेता था। यही परंपरा समाजवाद की ही मिसाल है ।

शासन व्यवस्था

अग्रसेन जी ने वैदिक सनातन आर्य संस्कृति की मूल मान्यताओं को लागू कर राज्य के पुनर्गठन में कृषि व्यापार उद्योग, गौ पालन के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा का बीड़ा उठाया। महाराजा अग्रसेन जी पहले शासक थे जिन्होंने सहकारिता के आदर्श को सामाजिक जीवन में प्रतिस्थापित किया। उन्होंने जीवन के सुख सुविधाओं एवं भोग विलास आदि पर धन के अपव्यय के स्थान पर जीवन में सादगी, सरलता और मितव्ययिता बरतने पर जोर दिया। अग्रसेन के मतानुसार व्यक्ति को अपनी उपार्जित आय को चार भागों में बांट कर एक भाग का उपयोग परिवार के संचालन हेतु, दूसरे भाग का उपयोग उद्योग व्यवसाय या जीविका चलाने हेतु, तीसरे भाग का उपयोग सार्वजनिक कार्यों तथा चौथे भाग का उपयोग बचत कर राष्ट्र की समृद्धि में करना चाहिये।

अग्रवाल के 18 गोत्र एवं उनका नामकरण हममें से अधिकाश लोगों की मान्यता है कि अग्रवालों के 18 या साढ़े सत्तरह गोत्रो के नाम उनके 18 पुत्रों के नाम से रखे गये हैं किन्तु वास्तविकता में गोत्रों के नाम 18 यज्ञ करवाने वाले ऋषियों के नाम से हैं। महर्षि गर्ग ने भगवान अग्रसेन को 18 पुत्र के साथ 18 यज्ञ करने का संकल्प करवाया। माना जाता है कि इन 18 यज्ञों को ऋषि मुनियों ने सम्पन्न करवाया और इन्हीं ऋषि-मुनियों के नाम पर ही अग्रवंश के गोत्रों का नामकरण हुआ। प्रथम यज्ञ के पुरोहित स्वयं गर्ग ऋषि बने, उन्होंने राजकुमार विभु को दीक्षित कर उन्हें गर्ग गोत्र से मंत्रित किया। इस प्रकार अग्रवालों के 18 गोत्र हैं यथा– गर्ग, तायल, कुच्चल, गोयन, भंदेल, मंगल, मित्तल, बंसल, बिंदल, कंसल, नागल, सिंघल, गोयल, तिंगल, जिन्दल, धारण, मधुकुल, एरेन। ऋषियों द्वारा प्रदत्त अठारह गोत्रों को भगवान अग्रसेन के 18 पुत्रों के साथ भगवान द्वारा बसायी 18 बस्तियों के निवासियों ने भी धारण कर लिया एक बस्ती के साथ प्रेम भाव बनाये रखने के लिए एक सर्वसम्मत निर्णय हुआ कि अपने पुत्र और पुत्री का विवाह अपनी बस्ती में नहीं दूसरी बस्ती में करेंगे। आगे चलकर यह व्यवस्था गोत्रों में बदल गई जो आज भी प्रचलित है। राज्य के उन्हीं 18 गणों से एक-एक प्रतिनिधि लेकर उन्होंने लोकतांत्रिक राज्य की स्थापना की, जिसका स्वरूप आज भी हमें भारतीय लोकतंत्र के रूप में दिखाई पड़ता है। महाराजा अग्रसेन ने परिश्रम से खेती, व्यापार एवं उद्योगों से धनोपार्जन के साथ-साथ उसका समान वितरण और आय से कम खर्च करने पर बल दिया। जहां एक ओर अग्रसेन जी ने वैश्य जाति को न्याय पूर्ण व्यवसाय का प्रतीक तराजू प्रदान किया वहीं दूसरी ओर उन्होंने अपनी प्रजा को आत्मरक्षा के लिए शास्त्रों के उपयोग की शिक्षा भी प्रदान करवाई थी। कुलदेवी महालक्ष्मी से परामर्श पर वे आग्रेय गणराज्य का शासन अपने ज्येष्ठ पुत्र विभु के हाथों में सौंपकर तपस्या करने चले गए। वर्तमान में अग्रवंशियो की संख्या लगभग आठ करोड़ है। अग्रसेन जी के वंशज आज भी उन्हीं की विचारधारा से प्रभावित होकर जनकल्याण के हितार्थ धर्मशाला, मंदिर, अनाथालय अस्पताल पुस्तकालय, स्कूल एवं कॉलेज की स्थापना करने में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं ।

सच्चाई तो यही है कि सम्राट अग्रसेनजी ने अपने आपको एक महान एवं सफल मेनेजमेंट गुरु के रूप में स्थापित किया। महाराजा अग्रसेन ओर माता माधवी ने अपने सभी 18 पुत्रों को श्रेष्ठतम संस्कार प्रदान किये थे। महाराजा अग्रसेन को समाजवाद का प्रवर्तक, अहिसां के पुजारी, सुयोग्य प्रशासक एवं आदर्श मेनेजमेंट गुरु के रूप में जाना जाता है आठ करोड़ से ज्यादा अग्रवालों के लिये उनके सिद्धांत हमेशा अनुकरणीय और प्रेरक बने रहेगें। अग्रसेनजी के 5141 वें जन्मदिवस पर कोटि कोटि प्रणाम ।

डा. जे. के. गर्ग,
पूर्व संयुक्त निदेशक कालेज शिक्षा जयपुर

चुरू के राजगढ़ क्षेत्र में बरसात का दौर जारी

सादुलपुर, (निसं)। राजगढ़ उपखण्ड क्षेत्र में लंबे समय से चल रही मानसून की बेरुखी एवं बारिश के अभाव में दम तोड़ चुकी फसलों के लिए लगातार 3 दिन से सक्रिय मानसून नुकसान दायक ही साबित होता नजर आ रहा है। जानकारी के अनुसार कटाई की गई फसलें खेतों में ही पडी हैं, जिससे खेतों में पडी फसले बर्बाद होने का अदेंशा है। हाल ही में मूंग मोठ एवं चवला की लावणी चल रही थी जिसमें शत प्रतिशत फसल खराब होने का अंदेशा है ।

■ मूंग मोठ एवं चवला की शत प्रतिशत फसल खराब होने का अंदेशा

आगामी रबी फसल की बुआई हेतु किसानों ने बारिश को बहुत उपयुक्त बताया। राजगढ उपखण्ड क्षेत्र में अधिकांश किसान चने की फसले बोते हैं, जिनके लिए अब बरसात होना राहत भरी खबर भी है। वहीं चूरू जिले के राजगढ उपखंड शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र में बादल झूम-झूम कर बरस रहे है। इसी बीच गुरुवार को पूरे दिन कहीं रिमझिम एवं कहीं हल्की फुहारों के रूप में वर्षा का दौर जारी रहा तथा शुक्रवार को अलसुबह 5.3० बजे तेज वर्षा का दौर जारी हुआ जो 1 घंटे तक जारी रहा। इस दौरान कभी रिमझिम कभी तेज वर्षा होती रही।

मगर दुबारा से 8 बजे फिर वर्षा का दौर शुरू हुआ जो 9 बजे तक जारी रहा तीसरी बार पूर्वाहन 12.45 बजे वर्षा का दौर शुरू हुआ, जिससे करीबन दो घंटो तक अच्छी वर्षा हुई तथा वर्षा होने से किसानों के चेहरे खिल उठे एवं कहीं मायूसी देखने को भी मिली। इस दौरान हरियाणा निकटवर्ती बालाण,कामाण, जीराम बास, भाकरां, खैरु बडी, खैरू छोटी व बीराण आदि गाँवो में कहीं हल्की एवं कहीं मध्यम, कही अच्छी बारिश के समाचार हैं। समाचार लिखे जाने तक बारिश का दौर जारी रहा।

राजगढ़ क्षेत्र में लगातार तीन दिन से हो रही बारिश के चलते खेतों में पड़ी फसल खराब होने लगी है।

राजस्थान की शान थे फिल्म अभिनेता महिपाल

1963 में प्रदर्शित हिन्द फिल्म पारसमणी अपने समय बहुत कामयाब हुई थी। इसमें एक गाना था, "वो जब याद आए तो बहुत याद आए...।"

यह गाना आज भी बहुत लोकप्रिय है। इस फिल्म में नायक की भूमिका उस जमाने के सुपरस्टार महिपाल ने निभाई थी। पर्दे पर महिपाल पर यह गाना फिल्माया गया था।

मगर बहुत कम लोग जानते होंगे कि अभिनेता महिपाल जोधपुर के थे। वे जैन समाज के भण्डारी गौत्र से थे। उनका पूरा नाम महिपाल भण्डारी था। उनका जन्म 24 नवंबर 1919 में जोधपुर में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय का शोक था। जोधपुर में उन दिनों जहां कहीं भी रामलीला का मंचन होता तो अपने दादा जी को साथ लेकर जरूर पहुंच जाते। स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने जसवंत गवर्नमेंट कॉलेज जोधपुर से साहित्य में स्नातक किया। उन्हें लोक नाट्य देखने और कविताएं लिखने का भी शोक था। इसी को चलते वे गीतकार बनने एक बार बम्बई भी गए। उन्होंने 1940 के दशक की शुरुआत में मुंबई जाने से पहले थिएटर में काम भी किया।

पांचवें दशक की शुरुआत होते होते फिल्म जगत में प्रादेशिक भाषाओं में फिल्में बननी शुरू हो गई थी। जी बी कपूर ने भी सोचा कि सभी प्रादेशिक भाषाओं में फिल्में बन रही है और चल भी रही है,तो क्यों ना राजस्थानी फिल्म बनाई जाए। उन दिनों तक महिपाल जोधपुर में ही थे। एक दिन जी बी कपूर आनन्द बिहारी देलवा और सोहराब मोदी के सहायक को साथ लेकर कलाकारों का चयन करने जोधपुर पहुंच गए। उन लोगों ने नायक के लिए महिपाल का चयन कर लिया। सवा सौ रुपए महीना की तनख्वाह देने की बात तय हो गई।

अभिनेता महिपाल

इस प्रकार 1942 में फिल्म नजराना से महिपाल के फिल्मी करियर की शुरुआत हुई। यह फिल्म राजस्थानी और हिंदी में बनाई गई। मगर दुर्भाग्य से यह फिल्म चल नहीं पाई। मगर फिल्मी नगरी में महिपाल की पहचान बन गई। इसके बाद उनकी मुलाकात वी. शांताराम से हुई तो वी. शांताराम ने गीत लिखने का प्रपोजल रख दिया। महिपाल ने बात मान ली।

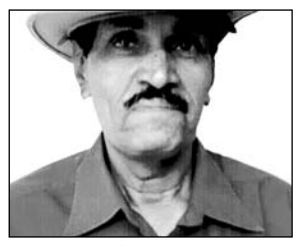

मिश्रीलाल पंवार

इसके बाद उन्होंने वी. शांताराम की चार फिल्मों के लिए लिए गीत लिखे। वीं शांताराम के साथ उनके काम ने उन्हें स्थायी पहचान दिलाई। उन्होंने सोहराब मोदी और बाद में वाडिया ब्रदर्स, होमी वाडिया और जेबीएच वाडिया जैसे निर्देशकों के साथ काम किया। उन्होंने निरूपा रॉय, माला सिन्हा और यहां तक कि मीना कुमारी जैसी अभिनेत्रियों के साथ कई पौराणिक और ऐतिहासिक फिल्मों में काम किया। अनिता गुहा के साथ उनकी जोडी काफी लोकप्रिय रही थी। उन्होंने अलीबाबा और 40 चोर (1954), जेनी (1953), अलादीन और जादूई चिराग (1952) और अलीबाबा का बेटा (1955) सहित अरेबियन नाइट्स पर आधारित फंतासी फिल्मों की एक श्रृंखला भी की थी। वह पौराणिक एवं ऐतिहासिक फिल्मों का दौर था। हांलांकि उस समय पारम्परिक फिल्में भी बन रही थी। अशोक कुमार, देवानंद, दिलीप कुमार, राजेंद्र कुमार, धर्मेंद्र, राजकुमार जैसे कलाकार पारम्परिक फिल्मों में नायक की भूमिका निभा रहे थे। वहीं महिपाल स्टंट फिल्मों के स्टार थे। जिसमें पारसमानी, ज़बक, कोबरा गर्ल, जंतर मंतर, अरेबियन नाइट्स थीम वाली फिल्मों सहित अलीबाबा का नाम लिया जा सकता है। पौराणिक फिल्मे संपूर्ण रामायण, गणेश महिमा, वीर भीमसेन, जय संतोषी मां ने उन्हें लोकप्रिय बना दिया। उन्हें भगवान विष्णु, भगवान राम और उनके दो भगवान कृष्ण की प्रतिष्ठित भूमिका निभाने के लिए जाना जाता है। तुलसीदास और अभिमन्यु की भूमिका निभाने के अलावा, विभिन्न पुराणों, महाभारत, भागवत पुराण पर आधारित कई फिल्मों में वे दिखाई दिए। वी शांताराम के नवरंग (1959) में मुख्य भूमिका के रूप में भी जाना जाता है। उन्होंने वी. शांताराम की नवरंग (1959) और बाबूभाई मिस्त्री की पारसमणि (1963) सहित 1950 और 1960 के दशक की कई प्रसिद्ध फिल्मों में अभिनय किया और सुपर स्टार के रूप में अलग ही पहचान बनाई। उन्होंने करीब 130 फिल्मों में कार्य किया। राजस्थानी में बनी बाबा रामदेव फिल्म की सफलता ने महिपाल को अपार सफलता दिलाई। बाबा रामदेव के भक्त जब इस फिल्म को देखने सिनेमाघरों में जाते तो पर्दे के आगे शीश झुकाना नहीं भूलते। सम्पूर्ण रामायण तथा कण कण में भगवान में उनके अभिनय की खूब सराहना हुई। 1970 के दशक की हिट जय संतोषी मां (1975) जैसी फिल्मों में दिखाई दिए। उन्होंने 40 वर्षों तक कार्य करने के बाद फिल्मों से संन्यास ले लिया।

उनकी एक विशेषता थी, इतने बड़े कलाकार होने के बाद भी अभिमान उन्हें छू भी नहीं पाया। घर-परिवार में जब भी मांगलिक कार्य होते, वे जोधपुर दौड़े चले आते। आखिर 86 वर्ष की आयु में 15 मई 2005 को हृदय गति रुक जाने से उनका मुंबई में निधन हो गया।

मिश्रीलाल पंवार,

राशिफल शनिवार 24 सितम्बर, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आश्विनी मास, कृष्ण पक्ष, चतुरदशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र परिवार प्रातः 5:07 तक, साध्य योग प्रातः 9:42 तक, विष्टि करण दिन 2:52 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-वृष, बुध-कन्या, गुरू-मीन, शुक्र-सिंह, शनि-मकर, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

भद्रा दिन 2:52 तक रहेगी। आज शुक्र कन्या राशि में रात्रि 9:03 पर प्रवेश करेगा। आज मास शिवरात्रि, चौदस का श्राद्ध और विषशस्त्रादि से मृतको का श्राद्घ है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः शुभ 7:49 से 9:19 तक, चर 12:14 से 1:49 तक, लाभ-अमृत 1:49 से 4:48 तक।

राहूकालः 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:20, सूर्यास्त 6:18

मेष

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। आज व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

सिंह

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

धनु

परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा।

वृष

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आज नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

मकर

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ने का भय बना रहेगा। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

मिथुन

नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आर्थिक मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक मामलों में दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। धार्मिक कार्यों में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वृश्चिक

व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में सफलता से मनोबल ऊंचा रहेगा। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

राज्य सरकार बाल अपराधों की रोकथाम के लिए निरंतर प्रयासरत : जिला कलेक्टर

- बाल संरक्षण संकल्प यात्रा' का उदयपुर में शुभारम्भ किया
- कलेक्टर ने रथ को दिखाई हरी झंडी, आमुखीकरण कार्यशाला

उदयपुर (निसं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा बच्चों के लिए सुरक्षित हिंसामुक्त वातावरण निर्माण करने एवं सशक्त ऊर्जा का संवर्धन करने के लिए 'बाल संरक्षण संकल्प यात्रा' अभियान प्रारंभ किया गया है जिसका उदयपुर जिले में शुभारंभ हो गया है। शुक्रवार को उदयपुर में पूर्व खेल मंत्री मांगीलाल गरासिया, जिला कलेक्टर ताराचंद मीणा एवं सेव द गर्ल चाइल्ड की ब्रांड एंबेसडर डॉ दिव्यानी कटारा ने बाल संरक्षण संकल्प यात्रा रथ को हरी झंडी दिखा कर एवं आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित कर अभियान का जिले में शुभारम्भ किया। इस मौके पर स्कूलों से आई छात्राओं ने बाल संरक्षण को लेकर रैली भी निकाली। बाल संरक्षण सकल्प रथ जिले की विभिन्न ग्राम पंचायतों में जाकर बाल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक करेगा। इस दौरान विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया जाएगा।

उदयपुर जिला मुख्यालय पर बाल संरक्षण संकल्प यात्रा रथ को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

बाल संरक्षण संकल्प यात्रा राज्य सरकार द्वारा बाल हिंसा के विरुद्ध शुरू किया गया एक सशक्त अभियान है जिसे राज्य सरकार के बाल अधिकारिता विभाग, पीसीसीआरसीएस एवं यूनिसेफ के सहयोग से प्रदेश के सात जिलों उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, अलवर, दौसा, भीलवाडा एवं सवाई माधोपुर में संचालित किया जा रहा है। बाल संरक्षण संकल्प यात्रा में सात संकल्प बताए गए हैं। पहला संकल्प बाल हिंसा नहीं करने, दूसरा संकल्प बाल श्रम की रोकथाम करने, तीसरा संकल्प बाल विवाह रोकने, चौथा संकल्प अशिक्षा का बंधन तोडने, पांचवा संकल्प भेदभाव नहीं करने, छठा संकल्प बालमित्र व्यवहार अपनाने एवं सातवाँ संकल्प बच्चों के प्रति दुर्व्यवहार का प्रतिकार करने को लेकर है।

बाल संरक्षण संकल्प यात्रा अभियान के तहत बाल लैंगिक हिंसा एवं बाल विवाह से पीडित बालक बालिकाओं का आंकलन किया जाएगा। इसके अलावा बाल संरक्षण एवं बाल संरक्षण व्यवस्थाओं पर पंचायती राज जनप्रतिनिधियों एवं सामुदायिक स्तरीय बाल संरक्षण समितियों के सदस्यों को सशक्त बनाया जाएगा। इसके अलावा किशोर किशोरियों को बाल अधिकार सुरक्षा तंत्र के बारे में जागरूक किया जाएगा। अभियान में बालकों के साथ जेंडर एवं सकारात्मक पुरुषार्थ के बारे में जागरूक कर बालिकाओं की सुरक्षा के लिए चेंजमेकर के रूप में तैयार करने का कार्य भी किया जाएगा। अभियान के तहत विषम परिस्थितियों एवं पात्रता रखने वाले परिवारों को चिन्हित करके उन्हें सामाजिक सुरक्षा से जोडने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा बाल हिंसा, बाल असुरक्षित परित्याग, बाल विवाह, बाल श्रम एवं बाल हिंसा की रोकथाम के लिए माहौल तैयार करने का कार्य किया जा रहा है।

इस अभियान के तहत बाल संरक्षण सेवाओं का प्रचार प्रसार किया जाएगा। अभियान में महामारी के दौरान अनाथ हुए बच्चों तथा अन्य उपेक्षित बच्चों को चिन्हित करने एवं विषम परिस्थितियों के बावजूद सामाजिक बुराइयों से लडकर विशेष पहचान बनाने वाले बच्चों का केस स्टडी भी तैयार की जा रही है। अभियान में बच्चों को कोरोना वैक्सीन के प्रति जागरूक भी किया जा रहा है। राजस्थान पहला राज्य है जिसने बच्चों के अधिकारों के मुद्दों को हल करने तथा स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए बाल अधिकारिता विभाग की स्थापना की है। यह एकीकृत तरीके से एक ही छत के नीचे बच्चों के सभी संरक्षण के अधिकारों के उल्लंघन जैसे मुद्दों के निराकरण हेतु एक अच्छी पहल है।

पूर्व सभापति के.के.गुप्ता राष्ट्रीय योजना स्वीकृति समिति के सदस्य बने

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर नगर परिषद् डूंगरपुर के पूर्व सभापति स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान के पूर्व ब्राण्ड एम्बेसेडर के.के. गुप्ता को भारत सरकार ने बडी जिम्मेदारी दी है । केन्द्रीय जल शक्ति मंत्रालय ने गुप्ता को स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एस.बी.एम.-जी) द्वितीय चरण के तहत राष्ट्रीय योजना स्वीकृति समिति का सदस्य बनाया है

भारत सरकार में उप सचिव रामपालसिंह द्वारा जारी कार्यालय आदेश के अनुसार भारत सरकार के जल शक्ति मंत्रालय के तहत पेयजल तथा स्वच्छता विभाग स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एस.बी.एम.-जी) देश के सभी राज्यों एवं सभी केन्द्र शासित प्रदेशों में वर्ष 2020-21 व वर्ष 2024-2025 तक गांवों को ऑडीएफ व ऑडीएफ प्लस बनाने और सभी गांवों को ठोस व तरल कचरा प्रबंधन से जोडने के लिए राष्ट्रीय योजना स्वीकृति समिति कार्यरत है।

इस राष्ट्रीय योजना स्वीकृति समिति में पूरे भारत से दो गैर सरकारी सदस्य मनोनीत किये है जिसमें के.के. गुप्ता निवासी डूंगरपुर राजस्थान तथा एस.दामोदरन निवासी तिरुचिल्लपल्ली तमिलनाडू है।

स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण (एस.बी.एम.-जी) चरण द्वितीय के दिशा निर्देशों के अनुरुप राष्ट्रीय योजना स्वीकृति समिति का काम गांवों में ओडिएफ बनाने के साथ सोलिड एण्ड लिक्विड वेस्ट मेनेजमेन्ट, पर्यावरण संरक्षण का रहेगा।

गुप्ता के सभापति कार्यकाल वर्ष 2015 से 2020 तक के दौरान नगर निकाय डूंगरपुर द्वारा स्वच्छता, सौंदर्यीकरण, कचरा प्रबंधन, पर्यटन सहित कई घटकों में महत्वपूर्ण कार्य करते हुए राज्य, राष्ट्रीय व अन्तराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान प्राप्त कर चुके है। सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर गुप्ता ने भारत सरकार सहित डूंगरपुर की जनता का आभार जताते हुए कहा है कि वे स्वच्छता को लेकर वे हरसंभव कार्य करते आए हैं और करते रहेंगे।

कार्यालय उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल, वृत, उदयपुर
(RHB Office Building ... सेक्टर-11, उदयपुर-313001)

क्रमांक:-उप आआ./वृत्त-उदय/2022-23/787
दिनांक:-19.9.2022

-:जाहिर आम सूचना (मृत्यु पश्चात) :-

आवास संख्या 1-ज-21, हिरण मगरी सेक्टर-4 आवासीय योजना, उदयपुर का आवंटन मण्डल द्वारा श्रीमती पुष्पा देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभाषचन्द्र श्रीवास्तव को किया गया था। आवास का आवंटन पत्र क्रमांक 1957 दिनांक 10.05.1978 को जारी कर कब्जा दिनांक 29.09.1978 को दिया गया।

श्रीमती पुष्पा देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभाषचन्द्र श्रीवास्तव की मृत्यु दिनांक 09.01.2015 को हो जाने के पश्चात उनके पुत्र श्री गजेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री प्रभाश चन्द्र श्रीवास्तव ने मृतक के कानूनन उत्तराधिकारी होने का दावा करते हुए उक्त आवास का नामान्तरण अपने पक्ष में करने हेतु मण्डल में आवेदन किया। मृतक के विधिक वारिसान श्री मुकेश श्रीवास्तव पुत्र स्व.श्री प्रभाषचन्द्र श्रीवास्तव एवं श्री मनीष श्रीवास्तव पुत्र स्व.श्री प्रभाष चन्द्र श्रीवास्तव ने उक्त आवास में निहित अपने अधिकारों का त्याग जरिये हकत्याग पत्र (रिलीज डीड) (पंजीकृत) के द्वारा दिनांक 16.08.2022 को श्री गजेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री प्रभाष चन्द्र श्रीवास्तव पक्ष में किया गया श्री गजेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री प्रभाष चन्द्र श्रीवास्तव ने प्रार्थना पत्र एवं आवश्यक प्रपत्र, शपथ-पत्र, हक त्याग पत्र (रिलीज डीड) मण्डल के निर्धारित प्रपत्रों में प्रस्तुत कर इस कार्यालय में निवेदन किया है कि उक्त आवास को उनके नाम कर दिया जावें।

अतः इस सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ति हो तो 15 दिवस के अन्दर-अन्दर इस कार्यालय को सूचित करें अन्यथा आपत्ति नहीं होने के कारण आवास संख्या 1-ज-21, हिरणमगरी सेक्टर-4 आवासीय योजना, उदयपुर का कानुनी उत्तराधिकारी मानकर श्री गजेन्द्र श्रीवास्तव पुत्र श्री प्रभाष चन्द्र श्रीवास्तव के पक्ष में हस्तान्तरण कर मण्डल रिकार्ड में हक त्याग (रिलीज डीड) (पंजीकृत) के आधार पर दर्ज कर दिया जायेगा।

उप आवासन आयुक्त
राजस्थान आवासन मण्डल, उदयपुर वृत्त-उदयपुर

मस्तान बाबा का उर्स शुरू

उदयपुर, (निसं)। सय्यद ख्वाजा मुहम्मद अब्दुर्रऊफ उर्फ मस्तान बाबा का चार दिवसीय 25वां उर्स शुक्रवार को परचम कुशाई की रस्म के साथ शुरू हुआ। ट्रस्ट प्रवक्ता अनीस इकबाल ने बताया कि उर्स को लेकर शाम 4 बजे मल्लातलाई रजा कॉलोनी से परचम जुलूस मस्तान बाबा दरगाह पहुँचा। बाद नमाज असर मस्तान बाबा ट्रस्ट की ओर से परचम कुशाई की गई। इस अवसर पर नई गठित ट्रस्ट मेम्बर की दस्तारबंदी हुई। उर्स को लेकर जायरीनों की ओर से आस्ताने पर फूल व चादर पेश की गई। अजमेर से लाई गई चादर आस्ताने पर पेश की गई। ट्रस्ट के नायब व कार्यवाहक सदर अकील खान व सज्जाद साबरी ने बताया कि उर्स को लेकर ट्रस्ट की ओर से जायरीनों के लिये लंगर का एहतमाम रहेगा। सैकेट्री इकबाल बैग व नायब सैकेट्री अब्दुल रशीद ने बताया कि उर्स के दूसरे दिन मस्जिद में कुरआन ख्वानी होगी।

आईटी सेक्टर में रोजगार की अपार संभावनाएं : प्रो. सारंगदेवोत

- आईटी सेक्टर में रोजगार के अवसर विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

उदयपुर (निसं)। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ डीम्ड टू बी विवि के संघटक कम्प्यूटर साईंड एण्ड इन्फोर्मेशन टेक्नोलॉजी की ओर से आईटी सेक्टर में रोजगार के अवसर विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की मुख्य वक्ता टीसीएस की सीएसआर एग्जूक्यूटिव निकिता नाडकर्णी ने कहा कि टीसीएस कम्पनी ग्रामीण, गरीब व वंचित विद्यार्थियों को 25 दिवसीय निशुल्क ट्रेनिंग देकर उन्हें रोजगार देश की मुख्यधारा से जोडने का कार्य करेगी।

इसके लिए शहर एवं ग्रामीण स्तर पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया जायेगा।

अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि आईटी सेक्टर में रोजगार के कई अवसर है।

लेकिन विद्यार्थी जागरूकता के अभाव में सीमित दायरे तक रह जाता है। कोरोना संकट के चलते जहॉ रोजगार के अवसर खत्म हो गये हैं वही लेकिन आईटी और कम्प्यूटर साईंस के क्षेत्र में नई भर्तियां तेजी से हो रही है।

पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष 70 प्रतिशत ज्यादा की वृद्धि हुई है। इसका एक बडा कारण तेजी से आईटी कम्पनियों का खुलना और वर्क फ्रॉम होम, ऑन लाईन पठन, पाठन व ऑनलाईन बाजार में डिमांड बढनें से इस क्षेत्र में वृद्धि हुई है।

उन्होंने कहा कि विधार्थी मोबाईल एप्लीकेशन डवलपर, नेटवर्क एडमिनिस्ट्रेटर, वेब साईट डवलपर, साईबर एक्सपर्ट, फुल स्टेक डवलपर , डेटाबेस एडमिनिस्ट्रेटर, सहायक प्रोफेसर, हार्डवेयर इंजीनियर, डेटा साईन्टिस्ट, डेटा एनालिस्ट, क्लाउड आर्किटेक्ट, सोफ्टवेयर इंजीनियर जैसे अनेक क्षेत्रो में रोजगार के अवसर तलाश सकते हैं।

कलेक्टर को आग्रह किया

उदयपुर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ एकीकृत के प्रदेश अध्यक्ष गिरिराज शर्मा प्रदेश मीडिया प्रभारी राव गोपाल सिंह आसोलिया, प्रदेश उपाध्यक्ष भारत भूषण जोशी द्वारा संयुक्त रूप से मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार, संभागीय आयुक्त उदयपुर जिला कलेक्टर उदयपुर को मेल भेजकर आग्रह किया है कि जिला स्तरीय ग्रामीण ओलंपिक का आयोजन दशहरा पर्व के बाद आयोजित किया जावे।

मीडिया प्रभारी आसोलिया ने बताया कि वर्तमान कार्यक्रम अनुसार राजस्थान ग्रामीण ओलंपिक खेल 2022 का जिला स्तरीय कार्यक्रम 29 सितंबर से 1 अक्टूबर रखा गया है।

गौरतलब है कि नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रा 26 सितंबर से 4 अक्टूबर तक एवं दशहरा पर्व 5 अक्टूबर को है उन दिनों नवरात्रि महोत्सव है बहुत से श्रद्धालु खिलाडी एवं शारीरिक शिक्षक नंगे पैर, निराहार, मौन व्रत,बिना जल के नवरात्रि उपासना देवी की उपासना चंडी आराधना उपवास आदि करते रहते हैं।

उनके लिए उपासना जारी रखते हुए निर्विघ्नं पूर्ण शक्ति से खेलना असंभव है। ग्रामीण ओलंपिक खेल नवरात्रि उपासना एवं साधना में बाधक नहीं बने , अतः सरकार से मांग की जाती है कि जिला स्तरीय कार्यक्रम 29 सितंबर से 10 अक्टूबर के बजाय 5 अक्टूबर बाद रखा जावे।

कार्यालय ग्राम पंचायत फलीचडा पं.स. मावली, जिला- उदयपुर (राज.)

क्रमांक:-ग्रापफ/निविदा/2022-23/SPL दिनांक -23.9.2022

निविदा सूचना संख्या 01/2022-23

ग्राम पंचायत फलीचडा में 05 कार्यो हेतु राजस्थान सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत श्रेणी के संवेदकों जो कि राजस्थान सरकार के पात्र पंजीकृत श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, के माध्यम से निर्धारित प्रपत्रों में अल्पकालीन खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्यो का विवरण www.sppp.rajasthan.gov.in के माध्यम से देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदक कार्यालय ग्राम पंचायत फलीचडा में आकर आवेदन कर सकते है।

UBN No:- ZUD2223WSOBOO374 -378

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत फलीचडा
पं.स.- मावली, जिला-उदयपुर (राज.)

राष्ट्रीय औषध सतर्कता सप्ताह मनाया

उदयपुर, (निसं)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज, उदयपुर में फार्माकोलॉजी विभाग द्वारा 17 से 23 सितंबर तक द्वितीय राष्ट्रीय औषध सतर्कता सप्ताह मनाया गया। इस सप्ताह के दौरान पोस्टर प्रतियोगिता और स्किट वीडियो प्रतियोगिता जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। कार्यक्रम में गीतांजलि विवि के विभिन्न संस्थानों के छात्रों ने भाग लिया। इस सप्ताह आयोजित करने में औषध विज्ञान विभाग के सभी संकायों ने योगदान दिया। इस सप्ताह के अंतिम दिन समारोह का परिचयात्मक व्याख्यान फार्माकोलॉजी की एचओडी डॉ संगीता गुप्ता द्वारा दिया गया और प्रोफेसर डॉ अरविंद यादव ने मरीजों और चिकित्सकों के लिए फार्माकोविजिलेंस का महत्व पर व्याख्यान दिया और पोस्टर और स्किट प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार दिए गए। पोस्टर प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेता कशिश चावला, कशिश अग्रवाल, खुशबू जांगीर, खुशबू महेश्वरी, मशरू भूमिबेन थे। स्किट प्रतियोगिता के प्रथम पुरस्कार विजेता किनाल, ख्याति, प्राची, नेहा और दिव्यांश थे। पुरस्कार वितरण समारोह के दौरान डॉ नरेंद्र मोगरा, गीतांजलि विवि के कुलपति, डॉ डीसी कुमावत, डीन जीएमसीएच, डॉ मनजिंदर कौर, अतिरिक्त प्रधानाचार्य जीएमसीएच, डॉ संध्या घई, डीन जीसीएन और जीएसएन, और विभिन्न संस्थानों के संकाय सदस्य उपस्थित थे।

उदयपुर के गीतांजली मेडिकल कॉलेज राष्ट्रीय औषध सतर्कता सप्ताह का आयोजन किया।

'निर्णय शक्ति का विकास ही महिला सशक्तिकरण का सही पैमाना'

उदयपुर, (निसं)। पेसिफिक विश्वविद्यालय के वुमन विकास प्रकोष्ठ का अकादमिक वर्ष 2022-23 का गठन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र 21 सितंबर को महिलाओं की गरिमा और अनुग्रह के प्रदर्शन विषय पर समारोह की विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता प्रो. गायत्री तिवारी ने अपने उद्घोषण में सत्य और भ्रम विषय के अन्तर्गत नारी की महिमा एवं बलिदान की व्याख्या करते हुए अपनी स्वयं कि महत्वत्ता की पहचान पर जोर दिया।

आज के युग में महिलाऐं हर क्षेत्र में प्रगति कर रही है, परन्तु सभी का ध्यान रखते हुए एवं अपने क्षेत्र में अच्छा करते हुए महिलाएं स्वयं के बारे में सोचना भुल जाती है, अतः अपनी जिम्मेदारी निभारते हुए महिलाओं को स्वयं के प्रति भी जिम्मेदार बनना चाहिए। उन्होंने महिला की व्याख्या करते हुए समझाया कि नारी की भूमिका एक जादुगर जैसी है जो अपने व्यावहारिक गुण रूपी जादू से पारिवारिक एवं व्यावसायिक कर्त्तव्यों को मुस्कराते हुए एवं समर्पित भाव से पूर्ण करती है।

प्रो. तिवारी ने उपस्थित शिक्षक गण एवं विद्यार्थियों को बड़े ही सरल शब्दों में उदाहरण देते हुए नारी के प्रबंधन को उत्कृष्ट बताया एवं अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रबंधन के विषयों जैसे समय प्रबंधन, संसाधनों का अधिकतम उपयोग, प्लानिंग आदि पर अपने विचार व्यक्त किया।

उदयपुर में पेसिफिक विश्वविद्यालय के वुमन विकास प्रकोष्ठ का अकादमिक वर्ष 2022-23 का गठन किया गया।

पेसिफिक विश्वविद्यालय के प्रेसीडेन्ट प्रो. के.के. दवे ने बताया कि महिलाओं को उन्नति के पूर्ण अवसर प्रदान करने एवं विश्वविद्यालय में सौहार्दपूर्ण वातावरण जहाँ सबका सम्मान हो एवं विश्वास दिलाया कि हम समाज के लिए मिसाल बन सकते है, अगर हम छात्राओं की पढ़ाई एवं सर्वांगिण विकास पर फोकस करें।

पेसिफिक विवि के वुमन एण्ड जेंडर डवलपमेंट सेट कि चेयरपर्सन प्रो. महिमा बिड़ला कि अध्यक्षता में गठन किया उन्होंने इस वर्ष के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में महिलाओं को अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान करते हुए आश्वस्त किया कि पेसिफिक विश्वविद्यालय वुमन डवलपमेन्ट के उद्देश्यों को पूर्ण करने के लिए कटिबद्ध है। कार्यक्रम कि समन्वयक डा. पल्लवी मेहता ने मुख्य अतिथि प्रो. गायत्री तिवारी एवं नम्रता साईकेडेकर, प्रो. सरला शर्मा एवं सभी संघटक कॉलेजों के डायरेक्टर, शिक्षकगण, छात्राओं एवं महिला कर्मचारी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

बरसात ने किसान को रुलाया, बाजरे की फसल बर्बाद

पशुओं के लिए भी आएगा चारे का संकट

धौलपुर, (निसं)। पिछले कई दिन से धौलपुर जिले में बरसात का दौर जारी है। जिस कारण बाजरे की फसल बर्बाद हो चुकी है। बरसात से खेत में भरे पानी के बीच बाजरे की फसल को सड़ती हुई देख किसानों का हाल बेहाल है और उनका धैर्य जवाब दे रहा है।

इन दिनों ज्यादातर किसानों की फसल की कटाई चल रही थी तथा कुछ की पक्की हुई खेतों में खड़ी थी। इसी दौरान बरसात का दौर शुरू हो गया। जिससे खेत में कटी पड़ी फसल पानी में डूब गई और बर्बाद हो गई। किसान बाजरे की फसल से काफी उम्मीद लगाए बैठे हुए थे और अच्छी पैदावार को लेकर तमाम सपने देख रहा था लेकिन अन्नदाता के सपनों को बरसात ने चकनाचूर कर दिया है।

धौलपुर में बाजरे की खराब हुई फसल दिखाते किसान।

- फसल बर्बाद होने की जानकारी लेने पर किसान मोबाइल पर ही फफक-फफक कर रोने लगे

बामनवास उपखंड क्षेत्र सहित जिले में हो रही बेमौसम की बरसात किसानों के लिए आपदा बनकर सामने आई है । बरसात से किसानों की पकी पकाई फसलें खेतों में ही बारिश का पानी भरने से तबाह हो गई। किसान की फसलें बरसाती पानी से दोबारा से अंकुरित हो गई। लगातार कई सालों से विभिन्न आपदाओं से खेती में नुकसान झेल रहे किसान समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर वे खुद को कैसे संभाले एवं हुए नुकसान की भरपाई आखिर कहां से करें । इस बेमौसम की बारिश से खासकर बाजरे की फसल चौपट हुई है । जब किसानों से इस बेमौसम बारिश के बाद उनके खेतों में खड़ी पक्की फसल बर्बाद होने की जानकारी ली गई तो दूरभाष पर ही किसान फफक पड़े। शुक्रवार को किसानों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिला कलेक्टर सुरेश ओला को जिला मुख्यालय पहुंचकर फसल खराबे की गिरदावरी कराकर किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग का ज्ञापन सौंपा।

खेतों में पड़ी बाजरे की फसल उगने लगी, कड़बी भी हुई खराब

- बारिश से किसानों के चेहरे मुरझाए, खेतों में भरा पानी
- पिछले एक हप्ते से लगातार पूरे क्षेत्र में बारिश हो रही है

पावटा, (निसं)। उपखंड पावटा सहित आस - पास के क्षेत्र में 50 से अधिक गांवों में एक सप्ताह से हो रही बारिश से 80 प्रतिशत खराब हुई फसल ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई जगहों पर खेतों में पानी भर गया है। इससे बाजरे की फसल खराब हो रही है। पिछले एक हप्ते से लगातार हो रही बारिश से पूरे सत्ताईस क्षेत्र में फसलों को भारी नुकसान पर ग्राम सेवा सहकारी समिति चैयरमैन पुष्पा मीणा, वाइस चेयरमैन हरिसिंह शेखावत, प्रधान पूजा चौधरी, नगरपालिका चेयरमैन उर्मिला पंसारी, भाजपा व्यावसायिक प्रकोष्ठ जिला संयोजक कन्हैयालाल मीणा, पूर्व सरपंच जगन चौधरी, निर्मल पंसारी , प्रागपुरा जीएसएस चैयरमैन उपेन्द्र सिंह सहित पावटा पंचायत समिति के सरपंच गणों ने किसानों को भारी नुकसान होने पर सरकार से राहत की मांग की।

वहीं चेयरमैन पुष्पा मीणा ने सरकार से जल्द से गिरदावार रिपोर्ट व फसल नुकसान का उचित मूल्यांकन कर किसानों को उचित मुवावजे की मांग की। बारिश से उपखंड क्षेत्र में बुआई के मुकाबले पैदावार में अधिक गिरावट आने की संभावना है। पावटा उपखंड क्षेत्र सहित कई गांवों में जनजीवन अस्त व्यस्त हुआ है। खेतों में पानी भरा हुआ है अब न तो बाजरा बचा है और ना ही पशुओं के लिए चारा। खेतो में कटी पड़ी बजरा की फसल से फिर से बालियां अंकुरित हो गई हैं। खेतों में खडी फसल भी बारिश तथा तेज हवा के कारण पसर गई है। अब क्षेत्र के किसान सरकार से मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसानों में मायूसी छाई हुई है। किसानों का कहना है कि यही बारिश करीब 1 माह पहले होती तो किसानों को इसका फायदा मिलता।

पावटा क्षेत्र में बाजरे की फसल पानी में तैरती नजर आई।

जैतूसर सरपंच को 2.10 लाख रूपये की रिश्वत लेते हुए एसीबी ने दबोचा

ठेकेदार को छह माह से बिलों का भुगतान कमिशन के चक्कर में अटकाये रखा

रींगस, (निसं)। एसीबी जयपुर टीम ने शुक्रवार को रींगस से सटे जैतूसर ग्राम के सरपंच को रंगे हाथो रिश्वत लेते दबोच लिया। रिश्वत की राशी पीड़ित से लेकर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने अपनी कार में रख ली। मौका पाकर टीम ने सरपंच को गिरफ्तार कर लिया। एसीबी टीम अन्य जगहों पर भी दबीश दे रही है। बाद में गिरफ्तार सरंपच श्रवण कुमार वर्मा को एसीबी रींगस थाने लेकर आई। जहां से बाद में उसे जयपुर ले गई।

गिरफ्तार सरपंच श्रवण कुमार।

एसीबी के निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह ने बताया की एसीबी में एक परिवादी ने अपनी शिकायत दी थी। इस पर एसीबी महानिरीक्षक बीएल सोनी के निर्देशन में उप महानिरीक्षक विष्णुकांत के सुपरविजन में टीम ने मामले का सत्यापन करवाया तो मामला सही शाबित हुआ। इस पर एसीबी की टीम एएसपी आहद खान तथा निरीक्षक मानवेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पीडित के साथ जयपुर से रींगस पहुंची। एसीबी ने पीड़ित को दो लाख दस हजार रूपये का बंडल बना कर सौंप दिया।

इसके बाद पीड़ित ने जैतूसर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा से मोबाइल पर सम्पर्क किया तो राशी के साथ एनएच 52 पर गैस गौदाम के सामने लेकर पहुंचने का निर्देश दिया। पीड़ित के पीछे -पीछे एसीबी टीम भी मौके पर पहुंच गई। एनएच 52 पर सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने पीड़ित को अपनी कार में बैठा लिया तथा 2 लाख 10 हजार रूपये लेकर अपनी कार में रख लिये। इशारा पाते ही एसीबी टीम ने सरपंच को दबोच लिया ।

जानकारी के अनुसार पीड़ित ठेकेदार है तथा कई ठेके लिये लेकिन सरपंच ने 20 प्रतिशत कमिशन के चक्कर में बिल अटकाये रखा। पीड़ित 6 माह से सरपंच के चक्कर काट रहा था। हार थक कर उसने एसीबी का रूख किया। बताया जा रहा है कि सरपंच ने पीडित की एक एमानत राशी के 1 लाख रूपये की राशी भी नही लौटाई जा रही। नये ठेके के लिए पीड़ित ने एक लाख रूपये की भी अमानत राशी जमा करवाई लेकिन सरपंच श्रवण कुमार वर्मा ने बकाया बिलों तथा अमानत राशी का भुगतान नही होने दिया।

इसके बादले में 2 लाख 10 हजार रूपये की मांग की गई। पीड़ित ने निर्माण कार्य के करीब 6 लाख रूपये का काम किया था। दो लाख दस हजार रूपये लेते ही टीम ने सरपंच को पकड़ लिया। एसीबी टीम इतना चौकन्ना थी कि किसी भो भनक तक नही लगी और सरपंच को भागने का मौका भी नही दिया। वही एसीबी की दूसरी टीम सरपंच के निवास पर तलाशी ले रही थी।

सुभाष नगर थाने का एएसआई रिश्वत लेते पकड़ा

भीलवाड़ा, (निसं)। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर शुक्रवार को चित्तौडगढ़ इकाई द्वारा भीलवाड़ा में कार्यवाही करते हुये विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस, थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा को परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी के महानिदेशक भगवान लाल सोनी ने बताया कि ए.सी.बी. की चित्तौडगढ इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसके विरुद्ध दर्ज प्रकरण में कोई कार्यवाही नहीं करने और मामले रफा-दफा करने की एवज में विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर भीलवाड़ा द्वारा 22 हजार रूपये की रिश्वत राशि मांगकर परेशान किया जा रहा है, जिस पर एसीबी उदयपुर के उप महानिरीक्षक पुलिस राजेन्द्र प्रसाद गोयल के सुपरवीजन में एसीबी की चित्तौडगढ इकाई के पुलिस निरीक्षक दयालाल चौहान के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर उनकी टीम द्वारा भीलवाड़ा में ट्रेप कार्यवाही का आयोजन किया। कार्यवाही के दौरान आरोपी विजय सिंह सहायक उपनिरीक्षक पुलिस थाना सुभाषनगर, जिला भीलवाड़ा द्वारा परिवादी से 10 हजार रूपये की रिश्वत राशि स्वीकार की परन्तु एसीबी कार्यवाही की भनक लगने पर मौके से फरार हो गया।

राजस्व अपील अधिकारी का वरिष्ठ सहायक रिश्वत लेते गिरफ्तार

टोंक एसीबी की टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

टोंक, (निसं)। टोंक एसीबी ने बडी कार्रवाई करते हुए टोंक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी कार्यलय के रीडर को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी गई थी। एसीबी मुख्यालय के निर्देश पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई द्वारा शुक्रवार को वरिष्ठ सहायक रीडर न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक लक्ष्मीनारायण को परिवादी से 12 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

- परिवादी से एक संपति के वाद में मदद करने की एवज में मांगी थी रिश्वत

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरों टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य ने बताया कि एसीबी की टोंक इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत की गई कि पैतृक सम्पति के संबंध में चल रहे वाद में मदद करने की एवज में न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी जिला टोंक के वरिष्ठ सहायक(रीडर) लक्ष्मीनारायण द्वारा 15 हजार रुपए की रिश्वत राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। जिस पर एसीबी के महानिदेशक भगवानलाल सोनी के निर्देशानुसार एसीबी जयपुर के उपमहानिरीक्षक सवाईसिंह गोदारा के सुपरविजन में एसीबी टोंक इकाई के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश आर्य के निर्देशन में शिकायत का सत्यापन किया जाकर शुक्रवार को उनकी टीम द्वारा ट्रेप की कार्यवाही करते हुए लक्ष्मीनारायण पुत्र लालचंद रैगर निवासी मकान नं. 15, चन्द्रलोक होटल के पास टोंक हाल वरिष्ठ सहायक न्यायालय राजस्व अपील अधिकारी टोंक को परिवादी 12 हजार रुपए की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। आरोपी के निवास, अन्य ठिकानों की तलाशी एवं पूछताछ जारी है।

10 करोड़ की जमीन यूआईटी ने कब्जेधारियों से छुड़ाई

बीकानेर, (कासं)। रानीबाजार इंडस्ट्रियल एरिया में सिने मैजिक के सामने 10 करोड़ रुपए की करीब डेढ़ बीघा जमीन अब यूआईटी के कब्जे में है। मेन रोड पर स्थित इस जमीन पर बाउंड्री वॉल बनाकर अतिक्रमण किया हुआ था जिसे पुलिस फोर्स की मौजूदगी में हटा दिया गया है।

किशमीदेसर के खसरा 311 में सीने मैजिक के सामने वाली मेन रोड पर करीब डेढ़ बीघा जमीन पर भूमाफियाओं ने बाउंड्री बाल बनाकर कब्जा कर रखा था। यूआईटी के अधिकारी पुलिस जाप्ते के साथ मौके पर पहुंचे और दीवार पर बुलडोजर चला दिया। करीब डेढ़ बीघा जमीन से अतिक्रमण हटाकर अपने कब्जे में ली और वहां यूआईटी का बोर्ड लगा दिया। कार्रवाई के दौरान यूआईटी सचिव यशपाल गंगाशहर थाने का पुलिस जाप्ता और होमगार्ड के जवान मौजूद थे। यूआईटी सचिव आहूजा ने बताया कि कब्जे में ली गई जमीन करीब 10 करोड़ रुपए की है। जमीन के पीछे की तरफ मकान भी बने हैं जो और लोग रह रहे हैं। इन्हें गलत खसरे में मकान बनाने पर चेतावनी दी गई है। पूर्व में इसी रोड पर करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई थी।

नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नागणेची जी मंदिर से नारी निकेतन रोड पर 10 कब्जे हटाए। इसमें तीन दुकानें, दो कुंडियां और बाकी चारदीवारी शामिल है। दरअसल नागणेची मंदिर से नारी निकेतन रोड को वापस दुरुस्त किया जा रहा है। सड़क चौड़ी भी होगी। तीन महीने पहले नापजोख कब्जाधारियों को कब्जे हटाने के लिए नोटिस भी दिया गया था। फिर भी कब्जे नहीं हटे तो गुरुवार को निगम पूरे दलबल के साथ वहां पहुंचा। खुद निगम आयुक्त गोपालराम विरदा भी मौजूद रहे। निगम अधिकारियों का कहना है इन लोगों के पास पट्टा है लेकिन उसके बाहर आकर इन्होंने कब्जा किया है।

बजरी माफिया के खिलाफ पुलिस की रेड

जोधपुर, (कासं)। शहर में आठ दिन पहले लूणी थाना क्षेत्र में अवैध बजरी खनन को लेकर माफियाओं में जंग के चलते एक युवक की हत्या की गई थी। जिसके बाद अब पुलिस ने बजरी माफियाओं पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। हत्या के दूसरे से दिन से ही कार्रवाई आरंभ कर दी गई। शुक्रवार सुबह पुलिस ने लूणी नदी के शिकारपुरा इलाके में अवैध बजरी माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए नौ डंपर अवैध बजरी के बरामद करने के साथ मौके से एक स्कार्पियो को जब्त किया । अवैध बजरी खनन कर्ता पुलिस पार्टी को आते देख वाहन छोड़कर भाग निकले। बाद में पुलिस ने खनन विभाग की टीम को भी बुलाया। थानाधिकारी ईश्वरवंद पारीक के अनुसार नौ डंपर अवैध बजरी से भरे जब्त किए गए तो एक स्कार्पियो को भी मौके से पकड़ा गया। पुलिस ने अब कार्रवाई के लिए खनन विभाग अधिकारियों को बुलाया है। डंपरों को जब्त करने के साथ मुकदमा दर्ज किया जा रहा है।

आरसी लाइसेंस के लिए भटक रहे लोग

बीकानेर, (निसं)। जिला परिवहन कार्यालय राजस्व की दृष्टि से संभाग का सबसे बड़ा कार्यालय है। जहां सैंकड़ों लोग अपने वाहन सम्बन्धी और ड्राइविंग लाइसेंस सम्बन्धी कार्यों के लिए बीकानेर जिला परिवहन कार्यालय पहुंचते हैं। लेकिन बीकानेर परिवहन विभाग के रिक्त पदों ओर आये दिन सर्वर डाउन की समस्या ओर तो जूझ ही रहा था कि अब विभाग में स्मार्टकार्ड छापने वाली निजी कंपनी के पास स्मार्टकार्ड ख़त्म होने की समस्या से ओर पब्लिक को दो -चार होना पड़ रहा है । परिवहन विभाग बीकानेर में पिछले 15 दिन से स्मार्टकार्ड नहीं छप रहे। जिससे वाहनों की आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस संबंधी काम अटके हुए हैं । लोग अपनी आरसी ओर ड्राइविंग लाइसेंस के लिए विभाग के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन उनके कागजात अप्रूव्ड हो जाने के बाद भी उन्हे स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने की वजह से प्रिंट हुई आरसी और ड्राइविंग लाइसेंस नहीं मिल रहे।

उधर विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों से जब विभाग मे आरसी और डराइविंग लाइसेंस युक्त स्मार्टकार्ड नही मिलने का कारण पूछा जाता तो वे पूरे राजस्थान में ही स्मार्टकार्ड का स्टॉक ख़त्म होने का हवाला देकर अपना पल्ला झाड़ लेते हैं ।उधर अन्य राज्यों और मुख्य मार्गों पर परिवहन उड़न दस्ता और यातायात पुलिस सघन अभियान चलाकर वाहनों के कागजात के अभाव में वाहन जप्ती अथवा भारी जुर्माना वसूल रही है । स्मार्टकार्ड नहीं मिलने से वाहन चालकों ओर ड्राइविंग लाइसेंसधारी लोगो को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है ।

इस सन्दर्भ में बीकानेर सिटीजन ऐशशिएसन के एडवोकेट हनुमान प्रसाद शर्मा और यातायात अधिवक्ता बनवारी लाल सिगड़ ने बताया कि जिला परिवहन कार्यालय बीकानेर में पिछले पंद्रह दिन से आरसी, ओर मोटर ड्राइविंग लाइसेंस का प्रिंट होने वाले स्मार्टकार्ड नहीं हैं।

54,777 सीटों के लिए जोसा द्वारा प्रथम राउंड सीट आवंटन

देश की आईआईटी, एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की सीटों की हुई रैंकिंग

कोटा, (निसं)। देश के आईआईटी-एनआईटी समेत कुल 112 कॉलेजों की 54477 सीटों के लिए जोसा द्वारा ज्वाइंट काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड का सीट आवंटन जारी कर दिया गया है। विद्यार्थी जिन्हें प्रथम राउण्ड सीट आवंटन में किसी भी कॉलेज का सीट आवंटन हुआ है, उन्हें 26 सितम्बर को शाम 5 बजे तक ऑनलाइन रिपोर्टिंग करनी होगी।

एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा के अनुसार जोसा काउंसलिंग के प्रथम राउण्ड के सीट आवंटन के बाद जारी की गई ओपनिंग व क्लोजिंग रैंक के अनुसार 14703 रैंक वाले छात्र तथा 20 प्रतिशत कोटे के कारण 23 हजार 276 रैंक वाली छात्रा को आईआईटी धारवाड़ की इंट्राडिसिप्लीनरी ब्रांच का आवंटन किया गया। यह ब्रांच इस वर्ष ही प्रारंभ हुई। इसी तरह एनआईटी की जेंडर न्यूट्रल पूल कोटे से क्लोजिंग रैंक 7 लाख 60322 एआईआर पर रही जो कि एनआईटी मिजोरम की मैकेनिकल ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित हुई। इसके साथ ही 8 लाख 80 हजार 196 रैंक पर फीमेल पूल कोटे से एनआईटी मिजोरम की इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स ब्रांच होम स्टेट कोटे से आवंटित की गई। ऑनलाइन रिपोर्टिंग के दौरान विद्यार्थियों को सर्वप्रथम अपना इनिशियल सीट अलॉटमेंट इन्फोर्मशन स्लीप डाउनलोड करनी होगी। इसके उपरांत विद्यार्थियों को आगे की काउंसलिंग में जाने के लिए काउन्सलिंग विकल्प फ्रीज, फ्लॉट व स्लाइड चुनना होगा। काउन्सलिंग विकल्प चुनकर विद्यार्थियों को आवश्यक दस्तावेजों 10वीं, 12वीं की अंकतालिका, कक्षा 12वीं का प्रमाण पत्र, कैटेगिरी संबंधित दस्तावेज, मेडिकल सर्टिफिकेट, कैंसिल चौक एवं जेईई मेन या एडवांस्ड के एडमिट कार्ड जैसे दस्तावेजों को स्कैन कर अपलोड करनी होगी। अंतिम चरण में विद्यार्थी को सीट असेपटेंस फीस जमा करनी होगी।

फीस जमा कराने के उपरांत जोसा वैरिफिकेशन अथॉरिटी द्वारा विद्यार्थियों के अपलोड किए गए दस्तावेजों को जांच कर उन्हें आवंटित सीट का कन्फर्मेशन दिया जाएगा। अपलोड किए गए दस्तावेजों में त्रुटि पाए जाने पर विद्यार्थियों को क्वेरी के माध्यम से सूचित किया जाएगा। स्टूडेंट्स को आयी क्वेरी का 27 सितम्बर तक रेस्पॉन्स करना आवश्यक है अन्यथा उनकी मिली सीट निरस्त कर दी जाएगी।

एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया की ऐसे विद्यार्थी जिन्होने जोसा काउंसलिंग में एनआईटी कॉलेजों के विकल्प भरे हैं, उन्हें स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ के तौर पर 12वीं बोर्ड का पास सर्टिफिकेट या मार्कशीट स्कैन कर अपलोड करनी होगी। केवल आईआईटी की कॉलेज च्वाइस भरने वाले विद्यार्थियों को स्टेट ऑफ एलिजिबिलिटी प्रूफ देने की आवश्यक्ता नहीं है। जिन विद्यार्थियों को प्रथम राउण्ड में कॉलेज का आवंटन नहीं हुआ है। उन्हें ऑनलाइन रिपोर्टिंग व सीट असेपटेंस फीस जमा करने की आवश्यकता नहीं हैं।

प्लाटून कमांडर कैदी को हीटर स्प्रिंग देते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार एक बार फिर सुर्खियों में है। हर बार कैदियों या बंदियों के पास से अवांछिय सामग्री मिलती आई है, मगर इस बार आरएसी का एक कंपनी प्लाटून कमाण्डर ही बंदी को हीटर स्प्रिंग देने जाते पकड़ा गया। जेल प्रशासन की तरफ से इस बारे में अब रातानाडा थाने में मामला दर्ज करवाया गया है। कंपनी प्लाटून की गिरफ्तारी फिलहाल नहीं बताई गई है।

रातानाडा थानाधिकारी सत्यप्रकाश ने बताया कि आरएसी का कंपनी प्लाटून कमाण्डर कल्याण सिंह जोधपुर केंद्रीय कारागाह आया था। बाद में वह जेल के अंदर गया। यहां पर मुख्य प्रहरी चंद्र प्रकाश को संदेह हुआ था। कंपनी प्लाटून कल्याणसिंह एक बंदी रामपाल पुत्र बाबूलाल से मिला और बाद में वार्ड संख्या 12 के बाथरूम में घुस गए। शक होने पर रामपाल बाहर खडा हो गया और कंपनी प्लाटून कल्याण सिंह ने बाथरूम का दरवाजा बंद कर दिया। बाद में खोलने पर चेकिंग में दो पैकेट हीटर स्प्रिंग पाई गई। दोनों पैकेट में दस दस हीटर स्प्रिंग थी। जिसे जेल प्रशासन ने बरामद कर पुलिस को सूचना दी। इस पर पुलिस वहां पहुंची। घटना में जेल प्रशासन की तरफ से केस दर्ज कराया गया है।

फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा क्षेत्र प्रभावित होगा

पुराने जातिगत समीकरण टूटेंगे, नए बनेंगे

पोकरण, (निसं)। फलोदी जिले के प्रस्ताव में पोकरण विधानसभा की सात पंचायतों के तीस हजार मतदात प्रभावित होंगे। प्रदेश में सात नए जिले बनाने के प्रस्ताव की तैयारियों के चलते प्रशासनिक स्तर पर प्रस्तावित जिला को लेकर प्रशासन द्वारा कागजी कार्रवाई की जा रही है। राजनैतिक ज्योतिष के अनुसार फलोदी को जिला बनने से टूटेंगी पोकरण विधानसभा की सात पंचायतें, 27 मतदाता बूथ, 77 रेवेन्यू विलेज, 14 पटवार मंडल में से अधिकतर राजपूत एवं बिश्नोई एससी /एसटी के मतदाताओं की संख्या फलोदी जिला बनने पर बदलेगी ।

फलोदी को जिला बनाने पर विधानसभा चुनाव 2028 परिसमन को देखते हुए पोकरण विधानसभा क्षेत्र में भाजपा का गढ़ ढह जाएगा। राजनीतिक ज्योतिष के अनुसार पोकरण विधानसभा क्षेत्र परंपरागत रूप से कांग्रेस की झोली में पक्की हो जाएगी। वही वर्तमान के क्षेत्रीय विधायक सालेह मोहम्मद को अपनी राजनीतिक सीट पक्की करने का जुगाड बनता नजर आ रहा है।

नवगठित पोकरण विधानसभा क्षेत्र के 2008 के चुनाव से लगातार नोख क्षेत्र में भाजपा के पक्ष में मतदाताओं का रुझान रहा है । फलोदी जिला बनाने के लिए पोकरण विधानसभा क्षेत्र की पंचायतों को शामिल किया जा रहा है। पोकरण विधानसभा का बंटवारा होना तय माना जा रहा है। पोकरण नोख उप तहसील क्षेत्र को हटाकर उसे फलौदी में जोड़े जाने का प्रस्ताव भी लिया गया है। नोख गांव के साथ ही साथ आस-पास के गांव को भी फलोदी से जोड़ने का प्रस्ताव लिया गया है।

नोख क्षेत्र के फलौदी में जाने के साथ ही यहां यहां के बाशिंदों को अधिक लाभ मिलेगा। वहीं दूसरी ओर नाचना पंचायत समिति से भी कई पंचायतों फलोदी में मर्ज हो जाएंगी। फलोदी को जिला बनाने के लिए प्रस्ताव राज्य सरकार को भिजवा दिए गए हैं। जिसमें नोख क्षेत्र के साथ पटवार मंडल नोख, बडाणा, मदासर, टावरी और चिन्नू , रायचंद वाला के नाम भिजवाए हैं। उसके साथ ही साथ ग्राम पंचायत हैं जिसमें नोख बडाना, रायचंद वाला, तालरिया,भदडिया, मदासर, भारमसर, टावरी वाला,पन्ना अवाय, शक्तिनगर ,आवाय, चिन्नू जालू वाला ,का नाम शामिल है जिसके लगभग तीस हजार मतदाता फलोदी जिला बनने पर शामिल हो सकते हैं। जिसमें अधिकतर पंचायतों एवं पटवार मंडल के राजपूत बाहुल्य एससी - एसटी एवं विश्नोई समाज के मतदाता जो कि लगातार पोकरण विधानसभा क्षेत्र बनने के साथ ही भाजपा का गढ़ रहा है। फलोदी को जिला बनाने का सीधा असर नोख क्षेत्र के तीस हजार मतदाताओं पर पड़ेगा ।

आम चर्चा यह भी है कि नोख के फलौदी में शामिल होने के कारण क्षेत्र की जनता को लाभ कम नुकसान ज्यादा होगा। जिसमें नोख क्षेत्र की जनता को मुख्यालय से दूरी घट जाएगी सरकारी योजनाओं का अधिक लाभ मिलेगा। वही नोख उप तहसील को उपखंड मुख्यालय की घोषणा की जा सकती है। फलोदी जिला बनने पर पिछडे क्षेत्र में कई लाभ मिल सकते हैं। वही नाचना उपनिवेशन में सरकारी भूमि आवंटन के लिए भूमिहीन काश्तकारों के आवेदन लोगों को वंचित रहना पड़ सकता है।

सरकारी दस्तावेजों में काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। वहीं जिला परिवर्तन होने के साथ ही जोधपुर ग्रामीण क्षेत्र में क्षेत्र आएगा। सरकारी दस्तावेजों के साथ ही साथ अन्य सभी कागजात में नोख वासियों को तकलीफ उठानी पड़ेगी। नोख के फलौदी में शामिल होने से क्षेत्र के ग्रामीण पंचायतों में कमी के साथ ही योजनाओं के चल रहे कार्यों के भुगतान में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता संत प्रतापपुरी ने बताया कि पोकरण विधानसभा क्षेत्र की जनता लगातार जिला बनाने की मांग उठा रही है । उसको नजर अंदाज करते हुए राज्य सरकार द्वारा फलोदी को जिला बनाने से परिसीमन क्षेत्र की जनता को नुकसान होगा। वही हाल ही में नोख उपनिवेशन उप राजस्व विभाग क्षेत्र को तोड़कर फलौदी में शामिल कर जिला बनाने से क्षेत्र की जनता को जबरदस्त नुकसान होगा।

जयपुर और करौली में करोना से दो लोगों की मौत

राज्य में शुक्रवार को 81 नए संक्रमित मिले हैं

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को करोना संक्रमण से जयपुर और करौली में दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं इस बीच राज्य में 81 नए संक्रमित मिले हैं। उधर प्रदेश भर में पिछले चौबीस घंटों में 191 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं।

- **जयपुर में 16 नए संक्रमित पाए गए हैं।**
- **प्रदेश में पिछले 24 घंटों में 191 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं।**

प्रदेश में शुक्रवार को 17 जिलों में 81 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 70 रोगी मिले थे। इधर राजधानी जयपुर में आज 16 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा प्रतापगढ़ में 12, अलवर में 10, सीकर व दौसा में 6-6, उदयपुर में 5, जोधपुर में 4, राजसमंद, बीकानेर, चितौड़गढ़, डूंगरपुर व सिरोही में 3-3, बूंदी व करौली में 2-2 तथा अजमेर, श्रीगंगानगर और कोटा में एक-एक नया संक्रमित मिला है। इस बीच राज्य में जांच के लिए 12 हजार 316 सैम्पल लिए गए हैं।

प्रदेश में शुक्रवार को भी नए संक्रमितों से दोगुना से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान 191 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही राज्य में एक्टिव केस घटकर 826 रह गए हैं। जयपुर में भी आज 37 रोगियों के रिकवर होने से 196 एक्टिव केस रह गए हैं। प्रदेश में भले ही नए संक्रमितों की संख्या में कमी आ रही लेकिन इस बीमारी से होने वाली मौतों का सिलसिला अभी भी जारी है। पिछले चौबीस घंटों में करोना से जयपुर और करौली में 1-1 संक्रमित की मौत हो गई है। इसके साथ ही अब तक राज्य में इस बीमारी से 9639 लोगों की मौत हो चुकी है।

राजधानी जयपुर में शुक्रवार को 12 स्थानों पर नए संक्रमित मिले हैं। इनमें सबसे ज्यादा 4 नए मरीज मालवीय नगर में पाए गए हैं। सांगानेर में 2, बनीपार्क, बस्सी, गोपालपुरा, जगतपुरा, कालवाड़ रोड, करधनी, मानसरोवर, फागी, राजापार्क और टोंक फाटक इलाके में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

जयपुर में गुरूवार को दिनभर बारिश का दौर जारी रहा। रुक-रुक कर हो रही बारिश से वाहन चालक काफी परेशान रहे लेकिन तापमान में गिरावट से लोगों को गर्मी से राहत मिली।

ज्वैलरी व्यवसायी से साढ़े 47 लाख रुपए की धोखाधड़ी

जयपुर (कासं)। रामगंज इलाके में ज्वैलरी व्यवसायी से व्यापार में 47.5 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने का मामला सामने आया है। जब व्यवसायी ने अपने पैसे मांगे तो आरोपी ने गला दबाया और सिर पर गोली मारने की धमकी दे डाली। इस संबंध में थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

- **पैसे मांगने पर बदमाश ने गला दबाया और गोली मारने की धमकी दी**

पुलिस के मुताबिक इस संबंध में मैसर्स हिमालय जैम्स फ्रूट मण्डी जौहरी बाजार के राकेश घीया ने बिसातियो का मोहल्ला रामगंज बाजार निवासी अकरम भाई के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है। जिसमें बताया कि उसका हिमालया जैम्स के नाम से जौहरी बाजार में सेमी प्रिशियस रफ का व्यापार है। राकेश ने बताया कि वह कई साल से अकरम भाई को जानते है। उन्होंने अकरम भाई को ओपल वजन 365 किलो (तेरह हजार रुपए) प्रति किलो के हिसाब से 21 मई 2019 को बेचा था। इस व्यापार की कुल रकम 47 लाख 45 हजार रुपए थी। व्यापार इसी मोहल्ले के हनीफ भाई की मौजूदगी में तय हुआ था। अकरम ने कहा था कि वह व्यापार के पैसे 3 महीने में देना शुरू कर देगा और 6-7 महीने में पूरा हिसाब चुकता कर देगा। अगर वह हिसाब चुकता नहीं करता है तो पूरा माल वापस लौटा देगा।

क्या सरकार ताली बजाने के लिये घोषणाएं करती है : गुलाब चंद कटारिया

जयपुर, (वि.सं.)। विधानसभा में आज प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि जब सरकार के पास पर्यटन विकास कोष में 268 करोड़ रुपये सरकार के पास उपलब्ध थे तो चार वर्ष में केवल 4.68 करोड़ रुपये ही क्यों खर्च हुए। क्या सरकार ताली बजाने के लिये ही घोषणाएं करती है। पैसा उपलब्ध होते हुए भी खर्च नहीं किया। इस पर मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि पिछले साल करोना के कारण सबसे ज्यादा असर पर्यटन विभाग पर ही हुआ था। इस कारण खर्च नहीं हो पाया।

- **'जब सरकार के पास पर्यटन विकास कोष में 268 करोड़ रुपये उपलब्ध थे तो चार वर्ष में केवल 4.68 करोड़ रुपये ही क्यों खर्च हुए'**
- **मंत्री मुरारी लाल मीणा ने कहा कि पिछले साल करोना के कारण सबसे ज्यादा असर पर्यटन विभाग पर ही हुआ था। इस कारण खर्च नहीं हो पाया। अब तेजी से खर्च कर देंगे**

मीणा ने कहा कि पर्यटन विकास कोष में वर्ष 2022-23 में एक हजार रूपए आवंटित किए गए हैं, जिसमें से 600 करोड़ रुपए पर्यटन की आधारभूत संरचना को बढ़ाने के लिए तथा 400 करोड़ रूपए राज्य को पर्यटन डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए ब्रांडिंग सहित मीडिया प्लानिंग के लिए आवंटित किए गए हैं।

उन्होंने बताया कि राज्य में पर्यटन को विकास के लिए वर्ष 2020-21 में 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया था जिसे वर्ष 2021-22 में 500 करोड़ तथा वर्ष 2022-23 में एक हजार करोड़ रूपए कर दिया गया है।

इससे पहले विधायक अशोक लाहोटी ने प्रश्न किया कि आपने कुल खर्च बताया है वह केवल डेढ़ फीसदी है। इसमें कुछ मद हैं जिन पर खर्चा बता रहे हैं। तीर्थस्थल पर जीरो। चित्तौड़गढ़ में जीरो, शाहपुरा में जीरो, जयपुर में जीरो, बीकानेर में जीरो, नागौर में जीरो। इनमें एक रुपये भी खर्च नहीं किये गये। उन्होंने पूछा कि जब चार साल में मात्र 4.68 करोड़ खर्च हुए हैं तो एक हजार करोड़ रुपये कब तक खर्च करोगे। इस पर मंत्री ने कहा कि करोना के कारण ट्यूरिज्म सबेस ज्यादा प्रभावित हुआ था। और ज़ी कइ ऐसे कारण थे। नई घोषणा की गई थी। इन सारी प्रक्रियाओं में समय लगा। आने वाले समय में तेजी से खर्चा कर देंगे।

चारागाह भूमि का आवंटन करने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने चारागाह भूमि का आवंटन सामाजिक संस्था को करने पर राजस्व सचिव और जयपुर कलेक्टर सहित अन्य को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस प्रकाश गुप्ता और जस्टिस अनूप ढंड ने यह आदेश रवि कुमावत की जनहित याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता पीसी भंडारी ने अदालत को बताया कि वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने तय किया था कि चारागाह भूमि का आवंटन अन्य प्रयोजन के लिए नहीं किया जा सकता। इसके बावजूद भी राज्य सरकार ने 25 अप्रैल 2011 को एक अधिसूचना जारी कर कलेक्टर को भूमि आवंटन का अधिकार दे दिया। याचिका में कहा गया कि चारागाह भूमि समाप्त होने से इकोलॉजिकल बैलेस बिगड जाएगा और बेजुबान पशुओं की मौत हो जाएगी। इसके अलावा कानूनन चारागाह भूमि का ना तो किसी को आवंटित किया जा सकता है और ना ही इसका नियमितीकरण या अन्य प्रयोजन के लिए उपयोग किया जा सकता है। याचिका में कहा गया कि जिले के नरेना कस्बे की चारागाह भूमि पर एक सामाजिक संस्था ने कब्जा कर रखा है। वहीं अब इस भूमि को राज्य सरकार कब्जाधारी सामाजिक संस्था को आवंटित किया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री से लेकर सभी संबंधित अधिकारियों को शिकायत भेजी गई है, लेकिन संस्था के दबाव में अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

लम्पी के विरोध में शहीद स्मारक पर किया प्रदर्शन

जयपुर। गोरक्षा संघर्ष समिति चौमूं के तत्वाधान लम्पी बीमारी के विरोध विधानसभा घेराव के लिए बड़ी संख्या में शहीद स्मारक पर एकत्रित हुए। समितिसंयोजक शंकर गोरा ने बताया की विधानसभा घेंराव के लिए निकले के दोरान पुलिस ने बैरिकेड लगाकर बल प्रयोग किया। इस दोरान क़रीब आधे घंटे तक पुलिस के ने बल प्रयोग किया क़रीब 7 गोरक्षको के चोट आई है। एक गो-रक्षक के आँख पर गंभीर चोट आई है।

पुलिस ने शंकर गोरा, बंशीधर, सुनील जाँगिड, श्याम चोपड़ा, गजेंद्र राठौर, अमित कुमावत, शिवा यादव सहीत 16 कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर हरमाडा थाने में ले जाया गया। शंकर गोरा ने बताया की राजस्थान में गौ माता लम्पी रोग से अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रही है। राजस्थान का शायद ही कोई गांव होगा जहां गोवंश इस रोग से अछुती है हजारों हजार की संख्या में गोवंश काल ग्रसित हो चुकी है। गौ माता की यह पीड़ा असहनीय है। दुर्भाग्यपूर्ण है की आपके लिए राजनीतिक रूप से लाभप्रद ना होने के कारण इस रोग के विरुद्ध संघर्ष में राज्य सरकार द्वारा अपेक्षित प्रयास नहीं किए जा रहे हैं जिससे गौमाता की आत्मा भी सोच रही है कि काश मेरा भी वोट होता। समिति ने प्रमुख माँग की हैं। उनमें प्रत्येक मवेशी की मोत पर पशुपालक को 50,000 रुपए का मुआवजा मिले। गौशालाओं की अनुदान राशि बढ़ाई जाए। संक्रमित गायों के लिए आइसोलेशन सेंटर खोले जाएं। मृतक गायों के लिए अंत्येष्टि का उचित प्रबंध किया जाए। संक्रमण रोकने के लिए पंचायत स्तर पर प्रत्येक गांव में फागिंग में छिड़काव किया जाए। गोरा ने चेतावनी दी सरकार ने मांगे नहीं मांगी तो दुबारा जयपुर में कूच किया जाएगा। इस दौरान उप प्रधान प्रतिनिधि जयप्रकाश चौधरी, पूर्व सरपंच सुरेंद्र बोचलिया, कालाडेरा कॉलेज छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष अरविंद यादव, महेंद्र यादव, सुरेश गोदरा अनिल निठारवाल, जे.की बागड़ा आदि उपस्थित रहे।

उत्तरकाशी में फंसे राजस्थान के सभी तीर्थयात्री सुरक्षित

जयपुर। उत्तराखंड में अतिवृष्टि से उत्तरकाशी में फंसे राजस्थान के सभी 400 तीर्थयात्री सुरक्षित है। गंगोत्री धाम से दर्शन कर लौट रहे राजस्थान के करीब 400 यात्रियों के उत्तराखण्ड राज्य के उत्तरकाशी जिले में गबनानी के समीप भूस्खलन के कारण फंसे होने की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसडीआरएफ राजस्थान सुष्मित बिश्वास द्वारा उत्तराखण्ड में अपने बैचमेट एवं स्थानीय प्रशासन से वार्ता कर उन्हें सुरक्षित स्थानों पर पहुँचवाया एवं रहने एवं खाने की व्यवस्थाएं भी करवाई।

जयपुर शहर की चारदीवारी में पर्याप्त दबाव से होगी जलापूर्ति : सुबोध अग्रवाल

जयपुर, (का.सं.)। जयपुर शहर के चारदीवारी क्षेत्र एवं टेल एण्ड के क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति की समस्या का निराकरण जल्द होगा। शहर के ट्रांसपोर्ट नगर, ब्रह्मपुरी एवं न्यू फिल्टर हाउस जैसे टेल एण्ड के क्षेत्रों में पर्याप्त दबाव से बीसलपुर के पानी की आपूर्ति भी हो सकेगी। साथ ही, रामनिवास बाग पम्पिंग स्टेशन पर लोड भी कम होगा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग ने जयपुर-बीसलपुर पेयजल परियोजना की सेन्ट्रल ट्रांसफर मैन पाइप लाइन के पुनर्गठन कार्यों के लिए 69 करोड़ 58 लाख रूपए की निविदा स्वीकृत कर दी है। योजना के कार्यादेश इसी माह जारी कर एक वर्ष में कार्य पूरे किए जाएंगे। अतिरिक्त मुख्य सचिव जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी एवं भूजल डॉ. सुबोध अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई बैठक में इसकी मंजूरी दी गई। इसके अलावा जयपुर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में पर्याप्त पेयजल आपूर्ति के लिए जलदाय विभाग ने करीब 28 करोड़ रूपए की जलापूर्ति योजनाओं की निविदाओं को भी स्वीकृति दी है।

- **जयपुर-बीसलपुर पेयजल परियोजना पुनर्गठन की 69.58 करोड़ की निविदा स्वीकृत**

जयपुर-बीसलपुर पेयजल परियोजना पुनर्गठन कार्यों के तहत 11 मिलियन लीटर क्षमता का स्वच्छ जलाशय भूजल विभाग के झालाना कैम्पस में प्रस्तावित है। ओटीएस चौराहे से ट्रांसपोर्ट नगर ट्रक स्टेण्ड हैडवर्क्स ब्रह्मपुरी हैडवर्क्स को फीड करते हुए न्यू फिल्टर प्लांट जयपुर-दिल्ली बाईपास रोड तक करीब 18 किलोमीटर तक पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इस योजना से जयपुर-दिल्ली बाईपास, ट्रांसपोर्ट नगर, बासबदनपुरा, ईदगाह क्षेत्र, कर्बला, ब्रह्मपुरी, गुर्जरघाटी, कागदीवाडा, जयसिंहपुरा खोर एवं आमेर आदि क्षेत्रों में वर्ष 2051 तक की मांग को ध्यान में रखते हुए करीब 8 लाख की आबादी को लाभ मिलेगा।

रोहित रंग में लौटे, भारत ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की

वर्षा बाधित दूसरे मैच में भारत 6 विकेट से जीता

नागपुर, 23 सितंबर। भारत ने रोहित शर्मा (46 नाबाद) की विस्फोटक पारी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया को वर्षाबाधित दूसरे टी20 मैच में शुक्रवार को छह विकेट से मात दी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के सामने आठ ओवर में 91 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे रोहित की टीम ने 7.2 ओवर में हासिल कर लिया।

जब लोकेश राहुल (10), विराट कोहली (10), सूर्यकुमार यादव (शून्य) और हार्दिक पांड्या (09) बड़ा योगदान देने में असफल रहे तब रोहित ने कदम आगे बढ़ाया और 20 गेंदों पर चार चौकों और चार छक्कों के साथ 46 रन की कप्तानी पारी खेली। भारत को आखिरी ओवर में नौ रन चाहिये थे और क्रीज पर नये-नये आये दिनेश कार्तिक ने एक छक्के के बाद एक चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की शृंखला में 1-1 से बराबरी कर ली है।

रोहित शर्मा और लोकेश राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के 90 रन के जवाब में भारत को विस्फोटक शुरुआत दिलायी और पहले ओवर में 20 रन जोड़े। राहुल के आउट होने से पहले दोनों के बीच 17 गेंदों पर 39 रन की साझेदारी हुई। भारत चार ओवर में 51 रन बनाकर सहज था लेकिन ऐडम ज़ैम्पा ने पांचवें ओवर में विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव को आउट करके मैच को रोमांचक बनाया।

ज़ैम्पा ने अपने दो ओवरों में 16 रन देकर तीन विकेट झटके, लेकिन उनका प्रयास बेकार रहा और भारत ने चार गेंदें रहते हुए यह मैच जीत लिया। यह साल 2022 में भारत की 20वीं टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत है। भारत ने इसी के साथ एक साल में सर्वाधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय जीतने के पाकिस्तान के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है, जिसने 2021 में 20 मुकाबलों में विजय हासिल की थी।इससे पहले, भारत ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया। ऐरन फिंच ने पारी की दूसरी ही गेंद पर विकेटकीपर के सर के ऊपर से चौका मारकर अपने मंसूबे साफ कर दिये।

दूसरे ओवर में कैमरन ग्रीन (पांच) और ग्लेन मैक्सवेल (शून्य) के आउट होने के बावजूद फिंच ने तेजी से रन बनाना जारी रखा। अक्षर पटेल ने अपने आखिरी ओवर में टिम डेविड को भी न्यून स्कोर पर आउट किया और 13 रन के बदले दो विकेट लेकर अपना दो ओवर का स्पेल समाप्त किया। फिंच एकतरफा ऑस्ट्रेलिया की पारी को आगे बढा रहे थे लेकिन चोट से उभर कर टीम में वापस आये जसप्रीत बुमराह ने उन्हें बोल्ड करके पवेलियन लौटाया। फिंच ने आउट होने से पहले 15 गेंदों पर चार चौके और एक छक्का जड़कर 31 रन बनाये।

इसके बाद मैथ्यू वेड और स्टीव स्मिथ ने पांचवें विकेट के लिये 18 गेंदों पर 44 रन की साझेदारी करके ऑस्ट्रेलिया को आठ ओवर में 90 रन के स्कोर तक पहुंचाया। स्मिथ आठवें ओवर की आखिरी गेंद पर रन आउट हो गये लेकिन इससे पहले वेड के तीन छक्कों की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने इस ओवर में 19 रन जोड़ लिये। वेड ने 20 गेंदें खेलकर चार चौकों और तीन छक्कों के साथ ताबड़तोड़ 43 रन बनाये जबकि स्मिथ ने आठ रन बनाने के लिये पांच गेंदें खेलीं।

कमर की चोट के कारण शरत हटे, मनिका और साथियान सेमीफाइनल में

सूरत, 23 सितंबर। अचंत शरत कमल कमर की चोट के कारण अंतिम आठ के मुकाबले से हट गए जबकि जी साथियान और मनिका बत्रा जैसे भारत के शीर्ष टेबल टेनिस खिलाड़ियों ने शुक्रवार को यहां राष्ट्रीय खेलों में अपने-अपने मुकाबलों में जीत के साथ सेमी फाइनल में जगह पक्की की। शरत हरियाणा के सौम्यजीत घोष के खिलाफ 2.1 से आगे थे और चौथे सेट में 6.1 से आगे चल रहे थे लेकिन उन्होंने चिकित्सा सहायता लेने के बाद मुकाबला छोड़ने का फैसला किया।

दूसरी ओर साथियान ने मानव ठक्कर को 4.1 से हराया। अब उनका सामना हरमीत देसाई से होगा जिन्होंने दीपित पाटिल को 4.1 से मात दी। गुजरात के मानुष शाह भी एफ आर स्नेहित को हराकर अंतिम चार में पहुंच गए। मनिका ने कृत्विका सिन्हा रॉय को 4.2 से हराया जबकि श्रीजा ने अयहिका मुखर्जी को 4.0 से मात दी। इससे पहले शरत ने पुरुष एकल में पश्चिम बंगाल के जीत चंद्रा को 4-2 (7-11, 11-6, 8-11,11-7, 11-6, 11-6) से हराया, वहीं साथियान ने पश्चिम बंगाल के रोनित भांजा पर इसी अंतर (7-11, 11-8, 7-11, 11-6, 11-9, 11-6) से जीत दर्ज की। महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में हालांकि मनिका बत्रा को कड़ी टक्कर का सामना करना पड़ा। मनिका ने करीबी मुकाबले में कर्नाटक की कुशी वी को 4-3 (4-11, 11-8, 12-10, 4-11, 11-5, 8-11, 11-7) से मात दी थी।

पाक की जीत पर अफरीदी ने आलोचकों से ली चुटकी

कराची 23 सितंबर। इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 मुकाबले में मिली शानदार जीत से उत्साहित पाकिस्तान टीम के तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी ने आलोचकों से चुटकी लेते हुए कहा कि कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर ओपनर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान बेहद स्वार्थी खिलाड़ी हैं जो मैच को आखिरी ओवर तक ले गये। दरअसल, पिछले कुछ समय से कप्तान बाबर आजम की फार्म और रिजवान के स्ट्राइक रेट को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे। एशिया कप में हालांकि शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद टीम को फाइनल में श्रीलंका से हार का सामना करना पड़ा था जिसके आलोचना के सुर और मुखर हो गये थे। गुरुवार को बाबर आज़म (110) और मोहम्मद रिज़वान (88) के बीच हुयी 203 रन की साझेदारी की बदौलत पाकिस्तान ने इंग्लैंड को दूसरे टी20 मैच में 10 विकेट से मात दी। उसे यह जीत 20वें ओवर की तीसरी गेंद पर मिली थी। जीत से उत्साहित शाहीन अफरीदी ने आलोचकों को करारा जवाब देते हुये ट्वीट किया, मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि हमें कप्तान बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान से छुटकारा मिल जाना चाहिए, कितने सेल्फिश खिलाड़ी हैं दोनों, अगर सही से खेलते तो मैच 15 ओवर में ही समाप्त हो जाना चाहिए था मगर ये दोनों आखिर तक ले गए। इसको लेकर आंदोलन छेड़ा जाए न। ट्वीट के आखिर में उन्होने लिखा इस शानदार पाकिस्तानी टीम पर गर्व है। गौरतलब है कि यह दूसरा मौका है जब पाकिस्तान ने टी20 मैच में बगैर विकेट खोए लक्ष्य का पीछा करने में सफलता हासिल की है। इससे पहले उसने 2021 विश्व कप में भारत के खिलाफ 10 विकेट से जीत हासिल की थी। टी-20 श्रृंखला की तीसरा मुकाबला आज यानी शुक्रवार को कराची में खेला जायेगा।

वाडा ने ट्रामाडोल के सेवन पर लगाया प्रतिबंध

सिडनी 23 सितंबर। आस्ट्रेलिया के सिडनी में विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने शुक्रवार को दर्द निवारक दवा ट्रामाडोल को 2024 में एथलीटों के लिये प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल करने का एलान किया है और कार्यकारी समिति की दूसरी बैठक के बाद गांजा पर प्रतिबंध बरकरार रखा है। वाडा ने एक प्रेस विज्ञप्त जारी कर कहा, ट्रामाडोल का बेजा इस्तेमाल और गांजा और अफीम की लत चिंता का विषय है और यही कारण है कि कई देशों में इसे नियंत्रित दवा बना दिया गया है। वाडा ने अध्ययनों के आधार पर भी शारीरिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए ट्रामाडोल की क्षमता की पुष्टि की है। वाडा के अध्यक्ष विटोल्ड बांका ने कहा मैं आज कार्यकारी समिति के सदस्यों के बीच हुई उच्च स्तरीय बैठक की चर्चा से संतुष्ट हूँ। संबंधित विशेषज्ञों की सिफारिशों पर पूरी तरह विचार करने के बाद कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए, जिनमें 2023 निषिद्ध सूची को मंजूरी भी शामिल है।

उच्चतम न्यायालय ने बीसीए की एजीएम 25 को बुलाने की अनुमति दी

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को बिहार क्रिकेट संघ की आमसभा की सालाना बैठक 25 सितंबर को बुलाने को मंजूरी दे दी। जस्टिस डी वाय चंद्रचूड़ और हिमा कोहली की पीठ ने निर्देश दिया कि पदाधिकारियों के चुनाव के नतीजे सीलबंद कवर में उनके समक्ष रखे जायें। पीठ ने कहा ," निर्वाचन अधिकारी ने बताया है कि छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। बीसीए की एजीएम 25 सितंबर को होगी।"

भारतीय महिला गोल्फरों की आयिरिश ओपन में निराशाजनक शुरुआत

ड्रोमोलैंड कासल, 23 सितंबर। वाणी कपूर, त्वेसा मलिक, अमनदीप द्राल और दीक्षा डागर की भारतीय चौकड़ी ने केपीएमजी महिला आयरिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में शुक्रवार को निराशाजनक शुरुआत की। सत्र में शानदार लय में चल रही वाणी और दीक्षा 72 के एक समान स्कोर के साथ संयुक्त 67वें स्थान पर है। त्वेसा एक ओवर 73 के स्कोर के साथ संयुक्त 78वें जबकि अमनदीप दो ओवर 74 के स्कोर के साथ संयुक्त 93वें स्थान पर है। इन चारों खिलाड़ियों को कट में जगह बनाने के लिए दूसरे दौर में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा।

विवेक, छेत्री की तिकड़ी, वायुसेना और सुदेवा जीते

नयी दिल्ली, 23 सितंबर। विवेक कुमार और रमेश छेत्री की तिकड़ियों की मदद से भारतीय वायुसेना और सुदेवा दिल्ली एफसी ने क्रमशः बंगा दर्शन और उत्तराखंड फुटबाल क्लब को हरा कर दिल्ली प्रीमियर लीग में पूरे अंक अर्जित किए। वायुसेना ने तरुण संघा को 4-1 से और सुदेवा ने उत्तराखंड को 6-1 से हराया। पहले मैच के मध्यांतर तक सुदेवा 2-1 से बढ़त बनाए थी। रमेश छेत्री के तीन शानदार गोलों के अलावा श्रीदार्थ और लाल बियकलियाना (2) ने बाकी गोल बांटे। इस जीत के साथ सुदेवा ने 18 मैचों में 31 अंक बना लिए हैं लेकिन ख़िताब जीतने की उम्मीद कम रह गई है। भारतीय वायुसेना और तरुण संघा के बीच खेला गया मैच उतार चढ़ाव वाला रहा। तरुण संघा ने जोय मेस्सी के गोल से शुरुआती बढ़त ली लेकिन वायुसेना के सदाबहार स्ट्राइकर विवेक कुमार ने दनादन चार दर्शनीय गोलों से तरुण संघा से पूरे अंक छीन लिए। विवेक का हर गोल पहले से बेहतर रहा।

सिंगापुर के खिलाफ दोस्ताना मुकाबले में झिंगन का खेलना तय नहीं

हो ची मिन्ह सिटी (वियतनाम) , 23 सितंबर। सिंगापुर के खिलाफ शनिवार को भारतीय टीम के पहले दोस्ताना फुटबॉल मैच में सीनियर डिफेंडर संदेश झिंगन को आराम दिया जा सकता है ।

झिंगन और चिंगलेनसना सिंह वीजा संबंधी मसलों के कारण टीम के साथ नहीं आये और शुक्रवार को सुबह तीन बजे ही यहां पहुंच सके हैं । टीम सूत्रों के अनुसार मुख्य कोच इगोर स्टिमक पहले मैच में झिंगन को आराम दे सकते हैं और वियतनाम के खिलाफ अगले मैच में ही उन्हें उतारेंगे । स्टिमक ने कहा कि सिंगापुर ने पिछले कुछ साल में शानदार प्रदर्शन किया है लेकिन भारत उसे हरा सकता है । उन्होंने कहा ," सिंगापुर के पास नया कोच है और उन्होंने काफी बदलाव किये हैं जिससे विरोधी टीमों को मुश्किलें पेश आ सकती है लेकिन मैं अपने खिलाड़ियों से पूरे आत्मविश्वास के साथ खेलने के लिये कहूंगा ।"

जून में एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर में कामयाबी के बाद भारतीय टीम का यह पहला टूर्नामेंट है। स्टिमक ने कहा कि एएफसी क्वालीफायर में मिली सफलता लगातार चल रही प्रक्रिया का नतीजा है जिससे खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में चयन के लिये गुजरना होता है।

पंत विश्व कप में भारतीय एकादश के लिये बेहतर विकल्प : गिलक्रिस्ट

दुबई 23 सितंबर। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम के अंतिम एकादश में विकेटकीपर बल्लेबाज रिषभ पंत और दिनेश कार्तिक को लेकर छिड़ी बहस के बीच आस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने पंत की वकालत की है। अगले महीने आस्ट्रेलिया में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिये 15 सदस्यीय भारतीय टीम में रिषभ पंत और दिनेश कार्तिक शामिल है मगर दोनों के हालिया प्रदर्शन को देखते हुये क्रिकेट पंडितों के बीच चर्चा का विषय है कि अंतिम 11 में किसको जगह मिलेगी। दरअसल, पिछले कुछ मैचों में पंत का प्रदर्शन औसत रहा है मगर टीम के शुरूआती छह बल्लेबाजों में कोई भी बायें हाथ से बैटिंग नहीं करता है जो पंत की दावेदारी को मजबूती प्रदान करता है गिलक्रिस्ट ने इस बहस का हिस्सा बनते हुये कहा रिषभ पंत एक साहसी बल्लेबाज है जो दुनिया के किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को तहस नहस करने का बूता रखता है। मुझे लगता है कि वह अंतिम 11 में होने का हकदार है।

बारिश होने से किसानों की फसलें हुई खराब

मसूदा क्षेत्र में विशेष रूप से उड़द की फसलों में भारी नुकसान

सरवाड़, (निसं)। शहर सहित आस-पास के गांवों में दोपहर बाद तेज गर्जना के साथ बारिश होने से खेतों खलियान में पड़ी कटी हुई फसल खराब हो गई। बारिश होने से मूंग, ज्वार, बाजरा, उड़द तिल आदि फसलें खराब हो गई जिससे किसान चिंतित नजर आ रहा है। किसानों ने बताया कि फसलें खराब होने से कई परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। खेतों में पानी पानी भर गया जिससे कटी हुई फसलें भी बर्बाद हो गई।

मसूदा कस्बे सहित आस-पास के क्षेत्र में शुक्रवार सुबह से ही कहीं रिमझिम तो कहीं मध्यम तेज बरसात हुई। वहीं गुरुवार रात्रि में भी लगातार रुक रुककर बरसात होती रही। शुक्रवार दोपहर से ही कस्बे सहित क्षेत्र में बादलों की गर्जना के साथ तेज मूसलधार बारिश हुई। वहीं दोपहर तक कभी मध्यम दर्जे की बरसात तो कभी रिमझिम बरसात होती रही जिससे संपूर्ण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। किसानों ने बताया कि ज्यादा बारिश से विशेष रूप से उड़द की फसलों में भारी नुकसान है।

बारिश होने से कटी हुई बाजरे की फसल पानी में तैरने लगी।

छत से गिरकर मजदूर की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं.)। शहर के सूरतगढ़ रोड पर बन रहे सरकारी मेडिकल कॉलेज की छत से गिरकर शुक्रवार को मजदूर की मौत हो गई। मजदूर कॉलेज के ए ब्लॉक में बनी बिल्डिंग की छठी मंजिल पर सीढ़ियों के आगे बने छज्जे से सामान उतार रहा था। इसी दौरान छज्जे सहित वह नीचे आ गिरा। नीचे गिरते ही उसे आसपास के लोगों ने संभाला। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मजदूर शिवनंदन

- सामान उतारते समय छठी मंजिल से गिरा मजदूर

कुमार बिहार के खगरिया में गांव सलीमपुर का रहने वाला था। वह पिछले कुछ समय से मेडिकल कॉलेज में मजदूरी कर रहा था। वह मेडिकल कॉलेज कैंपस में बने अस्थाई मकानों में रह रहा था। शुक्रवार सुबह वह अन्य दिनों की तरह मेडिकल कॉलेज में मजदूरी के लिए गया था।

सदर थाने के धर्मवीरसिंह ने बताया कि शिवनंदन मेडिकल कॉलेज के ए ब्लॉक में छठी मंजिल पर काम कर रहा था। वह छठी मंजिल पर सीढ़ियों से ऊपर की तरफ बने छज्जे पर काम कर रहा था। इसी दौरान छज्जे सहित नीचे आ गिरा। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। आसपास के लोग उसे लेकर अस्पताल पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। दो माह पहले मेडिकल कॉलेज की निर्माणाधीन बिल्डिंग में श्रीगंगानगर में शुगर मिल के पास रहने वाली ममता पत्नी नवीन की मौत हुई।

छह करोड़ रूपये की ठगी करने का आरोपी महाराष्ट्र से गिरफ्तार

रियल स्टेट एण्ड ऐलाइट लिमिटेड कम्पनी के नाम पर वर्ष 2009 से 2015 तक की ठगी

भरतपुर, (निसं)। मथुरा गेट थाना पुलिस ने कामां क्षेत्र के लोगों से करीब 6 करोड़ की ठगी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया है।

महानिरीक्षक पुलिस भरतपुर रेंज भरतपुर गौरव श्रीवास्तव व जिला पुलिस अधीक्षक ष्यामसिंह के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय हिम्मत सिंह एवं वृत्ताधिकारी वृत शहर सतीश वर्मा के सुपरविजन में थानाधिकारी रामनाथ सिंह के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक धारा सिंह मय जाप्ता द्वारा थाने में दर्ज प्रकरण के वांछित आरोपी बालकिशन पुत्र माधव सिंह जाति कुशवाहा उम्र 30 साल निवासी जमालपुर थाना कौलारी जिला धौलपुर को गिरफ्तार किया गया है।

प्रकरण में पांच आरोपी बनवारी लाल उर्फ बी.एल., शिवराम, जीतेन्द्र, बनवारीलाल व विजेन्द्रपाल सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका है। प्रकरण के वांछित आरोपियों की तलाश जारी है। बीएल कुशवाहा व उसके अन्य साथियों द्वारा गरिमा रियल स्टेट एण्ड ऐलाइट लिमिटेड कम्पनी के नाम पर वर्ष 2009 से 2015 तक भरतपुर जिला के कामां क्षेत्र के लोगों से धोखाधाडी पूर्वक फर्जकारी से करीब 6 करोड़ रूपये लेकर बदले में विभिन्न जगहों पर भूखण्ड देने का झूंठा वादा कर वर्ष 2015 में गरिमा रियल स्टेट एण्ड ऐलाइट लिमिटेड कम्पनी को बन्द कर दूसरे राज्यों में अन्य नाम से कम्पनी खोल ली गई। निवेशकों को ना तो उनका पैसा वापिस लौटाया गया और ना ही भूखण्ड दिये गये। मुलजिमानों द्वारा इस प्रकार की घटना को देष के विभिन्न राज्यों राजस्थान, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ , मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश में अंजाम दिया गया।

एसडीएम की समझाइश के बाद शव लेने पर सहमति बनी

पाटन, (निसं)। नीमकाथाना कोतवाली थाना इलाके के रामलीला मैदान चौराहे पर करंट लगने से कुल्फी बेचने वाले मृतक अशोक की मौत का मामला गरमा गया। गुसाई परिजनों ने शव लेने से इंकार करते हुए मांगों को लेकर अस्पताल परिसर में धरने पर बैठ गए थे। मामले को लेकर तहसीलदार दिनेश शर्मा, बिजली विभाग एक्सईएन रामसिंह यादव सहित कोतवाल लक्ष्मीनारायण समझाइश की लेकिन मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन जारी रहा। देवसेना अध्यक्ष लालचंद ने बताया कि नगरपालिका व बिजली विभाग की लापरवाही से मृतक अशोक की मौत हुई हैं।

हमारी प्रशासन से मांग है कि मृतक के परिजनों को 50 लाख मुआवजा दिया जाए। बुजुर्ग माता पिता सहित बच्चों के पालन पोषण की जिम्मेदारी ली जाए। परिजनों में एक सरकारी नौकरी दी जाए, साथ ही दोषी प्रशासन के खिलाफ कार्रवाई हो। घंटों बाद एसडीएम बृजेश गुप्ता मौके पर पहुंचकर धरना दे रहे लोगों से वार्ता कर चिरंजीवी दुर्घटना योजना का लाभ, पेंशन सहित सरकारी योजना का लाभ दिलाने को लेकर समझाइश की, जिसपर सहमति बनी। उसके बाद शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया। इस दौरान जिला पार्षद सुमित नानगवास, सरपंच सुरेश खैरवा, गजानंद सैनी, विजय माली सहित कई लोग मौजूद रहे।

नीमकाथाना कोतवाली पुलिस ने समझाइश कर मामला शांत कराया।

टोंक में फसल खराब होने के कगार पर

टोंक (नि.स.)। जिला मुख्यालय सहित आस-पास क्षेत्रो में शुक्रवार को सुबह से ही बारिश का दौर चला और बारिश के चलते लोगों के रोजमर्रा के कार्य प्रभावित हुए। बारिश की वजह से किसानों की फसले खराब होने की स्थिति में आने लगी है।

जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को सुबह से ही बारिश का दौर चलता रहा है और आसपास के गांवो में भी बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के चलते सुबह से लोग अपने रोजमर्रा के कार्यो को करने में परेशान होते नजर आएं। वही दोपहर तक बारिश का दौर चलने के बाद थोडी देर बारिश रुकी रही और उसके बाद ढाई बजे से फिर से बारिश का दौर शुरु हो गया और करीब आधे घंटे तक बारिश का दौर चला।

रुक-रुक बारिश का दौर चलते रहने व बादल छाएं रहने से मौसम में ठंडक का अहसास हुआ। वही बारिश की वजह से इस समय किसानों की खेतो में तैयार हुई बाजरे व ज्वार की फसलों का नुकसान होने लगा है। बारिश को देखते हुए किसान बाजरे व ज्वार की फसल की कटाई में लग गए है। पिछले दो दिन से हो रही बरसात ने कटी हुई फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया है जिससे किसानों की करी करायी मेहनत पर पानी फिर गया है।

ट्रेन से गिरकर युवक की मौत

हिंडौन सिटी, (निस) । सूरौठ के चौधरिया का नंगला के पास गत रात ट्रेन से गिरकर एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक की शिनाख्त के बाद शुक्रवार दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया। सूरौठ थाना पुलिस के अनुसार रेलवे कस्बे के समीप चौधरिया का नगला के पास रेलवे ट्रैक के किनारे एक युवक का शव पड़ा हुआ होने की सूचना मिली। सूचना के बाद थाना अधिकारी शरीफ अली एएसआई ओमी राय सहित पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंचा। इधर सूचना के बाद रेलवे पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने युवक के शव को शिनाख्त के लिए शहर के मोहन नगर स्थित जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया।

शिक्षकों की कमी, ग्रामीणों ने स्कूल पर लगाया ताला

बाप, (निसं)। जोधपुर जिले के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जोड में एक शिक्षक की प्रतिनियुक्ति रद्द करने व शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने की मांग को लेकर शुक्रवार को विद्यालय पर ताला जड़ प्रदर्शन किया। तालाबन्दी की सूचना मिलने पर शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने दूरभाष पर ग्रामीणों व एसएमसी अध्यक्ष से बात कर प्रतिनियुक्ति रद्द करने का ठोस आश्वासन दिया, तब ग्रामीणों ने स्कूल पर लगा ताला खोल दिया जल्द आश्वासन मिलने की वजह से ज्यादा समय तक स्कूल बंद नही रही।

एसएमसी अध्यक्ष बशीर खान ने बताया कि स्कूल में एक शारीरिक शिक्षक प्रतिनियुक्ति पर है। इसके अलावा प्रिंसिपल सहित द्वितीय ग्रेड के विज्ञान, गणित व अंग्रेजी विषय के शिक्षक तथा प्रथम ग्रेड के राजनीतिक विज्ञान व उर्दू विषय के शिक्षकों के पद रिक्त पड़े हैं। जिस वजह से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने व शारीरिक शिक्षक की प्रतिनियुक्ति रद्द करने की मांग को लेकर ग्रामीणों के साथ स्कूल के बच्चे भी धरने में बैठे। सूचना मिलने पर एसीबीईओ अशोक कुमार पुरोहित ने दूरभाष पर ग्रामीणों से बात की प्रतिनियुक्ति निरस्त करने व रिक्त पदों पर अध्यापकों की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया तब ग्रामीणों ने स्कूल का ताला खोल दिया।

बाप के निकट जोड में स्कूल के मुख्य द्वार पर ग्रामीणों ने ताला लगाकर प्रदर्शन किया।

अशोक कुमार पुरोहित, एसीबीईओ प्रथम, फलोदी का कहना है कि तालाबंदी होने नही दी। मैंने दूरभाष पर तुंरत बात कर ग्रामीणों को आश्वस्त कर दिया था। शारीरिक शिक्षक को वापिस मूल स्थान भेजने के लिए पीईईओ को कह दिया है।

स्टेशन मास्टर को हटाने के निर्देश जारी

सुजानगढ़, (निसं)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर मण्डल की डीआरएम गीतिका पाण्डे ने सुजानगढ पहुंच कर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया तथा सफाई की अव्यवस्था को देख कर नाराजगी प्रकट की। डीआरएम ने स्टेशन मास्टर उमाराम चौधरी पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एडीएन को स्टेशन मास्टर को हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पानी की टूंटी में लिकेज व कैंटीन की दुकान बंद मिलने तथा स्टेशन परिसर में फालतू ड्रम रखा हुआ देख कर डीआरएम ने नाराजगी जाहिर की। इस दौरान स्टेशन मास्टर उमाराम चौधरी बार-बार सफाई दे रहे थे, लेकिन डीआरएम उनसे संतुष्ट नहीं हुई।

डीआरएम ने बताया कि सुजानगढ रेलवे स्टेशन के पूर्ण कायाकल्प के लिए रेल मंत्रालय से स्वीकृति मिल चुकी है। जिसके तहत यहां पर शीघ्र ही नई बिल्डिंग और वेटिंग हॉल सहित अनेक आधुनिक सुविधाएं यात्रियों के लिए उपलब्ध होगी। भाजपा मण्डल अध्यक्ष पवन माहेश्वरी, उप नेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारणिया, पार्षद पंकज घासोलिया, विजय चौहान, अरविन्द बोचीवाल, कमल डागा, दिग्विजय पाण्डे, हर्ष जालान, अनुराग अग्रवाल, संदीप पंवार आदि ने डीआरएम का गुलदस्ता भेंटकर स्वागत किया, जबकि संतोष बेडिया ने शॉल ओढाया। किराणा मर्चेण्ट एसोसियेशन के अध्यक्ष पवन माहेश्वरी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में जोधपुर से गंगानगर वाया सुजानगढ होते हुए नई ट्रेन, मेडता रोड से बीकानेर वाया सुजानगढ होकर नई ट्रेन संचालित करने की मांग की गई है।

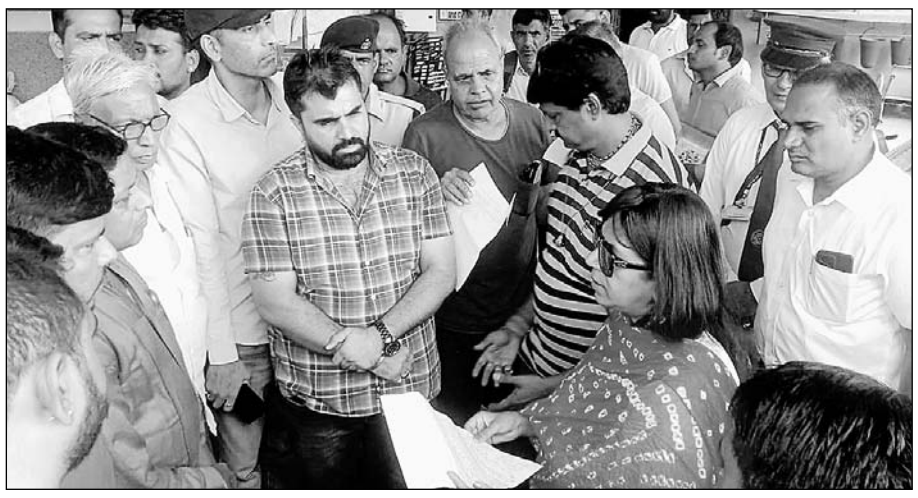

सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान डीआरएम को ज्ञापन सौंपते भाजपा कार्यकर्ता।

- शीघ्र ही होगा रेलवे स्टेशन का कायाकल्प, बनेगी नई बिल्डिंग, मिलेगी वेटिंग हॉल सहित आधुनिक सुविधाएं
- जोधपुर मण्डल की डीआरएम गीतिका पाण्डे ने सुजानगढ़ रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया
- रेलवे स्टेशन पर गंदगी देख डीआरएम ने की कार्रवाई

अग्रवाल मित्र मंडल संस्थान के हर्ष जालान ने ज्ञापन सौंपकर वोकल फोर लोकल को बढावा देने के लिए सुजानगढ रेलवे प्लेटफार्म पर स्थानीय उत्पादों की स्टॉल लगवाने की मांग की। उप नेता प्रतिपक्ष रिछपाल बिजारणिया के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपकर लाडनू रोड पर स्थित रेल फाटक संख्या सी 22 से सी 24 के मध्य आरयूबी निर्माण की मांग की। जिस पर डीआरएम ने कहा कि मेरे साथ आए एडीएन इस हेतु अलग से फिजिकल वेरीफिकेशन करेंगे। डीआरएम ने कहा कि इस हेतु जिले के सांसद से भी अनशंषा करवाई जा सकती है।

देशनोक में रुकेंगी तीन ट्रेनें

बीकानेर, (कासं) । नवरात्रि पर बीकानेर आने वाली तीन रेलगाड़ियों को दो नए स्टेशन पर रोका जा रहा है। इसमें दिल्ली से आने वाली रेल अब हरियाणा के कनिना खास स्टेशन पर रुकेगी जबकि बीकानेर-दादर और जोधपुर-जम्मूतवी को देशनोक पर रोका जाएगा।

गाडी संख्या 14707, बीकानेर-दादर रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 25 सितम्बर से तीस सितम्बर तक सवा आठ बजे आगमन कर 08.17 बजे प्रस्थान करेगी तथा एक अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक 11.40 बजे आगमन कर 11.42 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 14708, दादर-बीकानेर रेल सेवा देशनोक स्टेशन पर दिनांक 24 सितम्बर से दिनांक 30 सितम्बर तक 10.28 बजे आगमन कर साढ़े दस बजे प्रस्थान करेगी तथा एक अक्टूबर से दिनांक चार अक्टूबर तक 13.31 बजे आगमन कर 13.33 बजे प्रस्थान करेगी।

गाडी संख्या 14888, बाडमेर-ऋषिकेश रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 25 सितम्बर से पांच अक्टूबर तक 15.10 बजे आगमन कर 15.12 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 14887, ऋषिकेश-बाडमेर रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 24 सितम्बर से 30 सितम्बर तक 11.20 बजे आगमन कर 11.22 बजे प्रस्थान करेगी। तथा एक अक्टूबर से चार अक्टूबर तक 11 बजे आगमन कर 11.02 बजे प्रस्थान करेगी। गाडी संख्या 19225, जोधपुर-जम्मूतवी रेलसेवा देशनोक स्टेशन पर 25 सितम्बर से 30 सितम्बर तक 11.02 बजे आगमन कर 11.04 बजे प्रस्थान करेगी। एक अक्टूबर से पांच अक्टूबर तक 10.34 बजे आगमन कर 10.36 बजे प्रस्थान करेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 19226, जम्मूतवी-जोधपुर रेलसेवा देशनोक पर 24 सितम्बर से 4 अक्टूबर तक 15.55 बजे आगमन कर 15.57 बजे प्रस्थान करेगी।

भूमि पूजन से दो माह बाद भी सड़क निर्माण कार्य शुरू नहीं, लोगों में रोष

हिण्डौन सिटी, (कासं.)। सड़क निर्माण के लिये किये जा चुकेबभूमि पूजन के दो माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी संवेदक द्वारा 19 करोड़ की लागत से शहर के मुख्य मार्ग कोतवाली थाने से ओवरब्रिज तक और 27 करोड़ की लागत से 22 गांवों में बनने वाली सड़कों का निर्माण कार्य अभी तक शुरू नहीं किया गया है। जिससे आमजन में रोष व्याप्त है।

उल्लेखनीय है कि इस सड़क के निर्माण का कार्य पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा संवेदक दौसा की बालाजी इंफ्रास्टक्चर कंपनी को दिया गया है। दो माह गुजर जाने के बाद भी संवेदक द्वारा शुरू तक नही किया गया है। जबकि कार्य चालू करने के लिए तीन बार रिमाइंडर नोटिस भी दिया जा चुका है। उसके बावजूद भी संवेदक द्वारा ना तो आरएमसी का प्लांट लगाया गया है, ना ही किसी तरह का कार्य शुरू किया गया है। जबकि टेंडर होने के एक पखवाड़े के अंदर संवेदक को निर्माण कार्य शुरू करना पड़ता है। गौरतलब है कि विधायक की अनुशंसा पर 19 करोड़ और 27 करोड़ की योजना से बनने वाली सड़कों का अनावरण विधायक भरोसी लाल द्वारा 2 माह पूर्व कर दिया गया और विभाग द्वारा आश्वासन दिया गया कि 15 दिन के अंदर में सड़क निर्माण का कार्य शुरू किया जाएगा। गौरतलब है कि 27 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क से 22 गांव को सुगम रास्ता मिलना था और 19 करोड़ की लागत से हिंडौन शहर वासियों को कोतवाली से आरओबी तक सुगम रास्ता मिलना था, लेकिन संवेदक की लापरवाही और विभाग की सांठ-गांठ के चलते लोगों को जर्जर और बदहाल सड़क से गुजरना पड़ रहा है।

हिण्डौन में सर्किल के पास बदहाल पड़ी सड़कें।

आम जनता ने कहा कि सड़क बने या ना बने, लेकिन अधिकारी और नेताओं के मकान जरूर बनेंगे। क्योंकि जब सरकार की तरफ से बजटपास हो गया है और सड़क का निर्माण कार्य शुरू करने के लिए अनावरण कर दिया गया है, तो उसके बाद भी लेट जाती थी। का कारण क्या समझा जाए। प्रतिदिन हजारों की तादाद में लोग आवागमन करते हैं और जर्जर बदहाल सड़क से लोगों को गुजरना पड़ता है। ऐसे में संवेदक और विभाग पर आरोप लगाते हुए कहा कि दोनों मिलकर सांठ-गांठ कर आम जनता को चूना लगाने का काम कर रहे हैं। विभाग द्वारा 19 करोड़ की लागत से बनने वाली सड़क के लिए संवेदक को 14 करोड़ 91 लाख 89 हजार 342 रुपए का टेंडर 11 जुलाई 2022 को दिया गया। जिसमें 20 मई 2023 तक कार्य पूर्ण करने का अनुबंध है। सड़क निर्माण के लिए विधायक द्वारा अनावरण भी कर दिया गया।

टक्कर से बैलगाड़ी पर सवार महिला की मौत

सादुलपुर, (निसं)। बैलगाडी पर सवार होकर खेत से आ रही हमीरवास थाने के गाँव नीमां निवासी एक महिला के वाहन चालक द्वारा तेजगति व लापरवाही से वाहन चलाने के लगी टक्कर के कारण मौत हो गई। जिसका हमीरवास थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है।

थानाधिकारी राधेश्याम ने बताया कि संदीप कुमार पुत्र लीलुराम मेघवाल निवासी नीमां ने पुलिस थाना हमीरवास में इस आरोप की रिपोर्ट पेश की है कि 21 सितम्बर की शाम को उसका चाचा भादरराम, उसकी चाची सीता देवी बच्चों सहित बैलगाडी लेकर खेत से घर आ रहे थे, जो अपनी सही दिशा में सडक से नीचे चल रहे थे। उसी दौरान पिछे से एक गाडी बेहद तेज स्पीड से आई तथा उक्त गाडी के चालक ने अपनी गाडी को तेज गति एवं लापरवाही से चलाकर सही दिशा में चल रही उसके चाचा-चाची की बैलगाडी को टक्कर मार दी। जिससे बैलगाडी भी टुट गई तथा उसके चाचा-चाची एवं बच्चों के भी गंभीर चोटें आई।

घटना के बाद उसने अपनी चाची को राजगढ रैफरल अस्पताल में पहुँचाया, जहां डॉक्टरों ने उसकी चाची सीतादेवी 36 साल को मृत घोषित कर दिया। हमीरवास थाना पुलिस ने वाहन चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है।

125 बीघा से अतिक्रमण हटा तो जयसंमद बांध में आया पानी

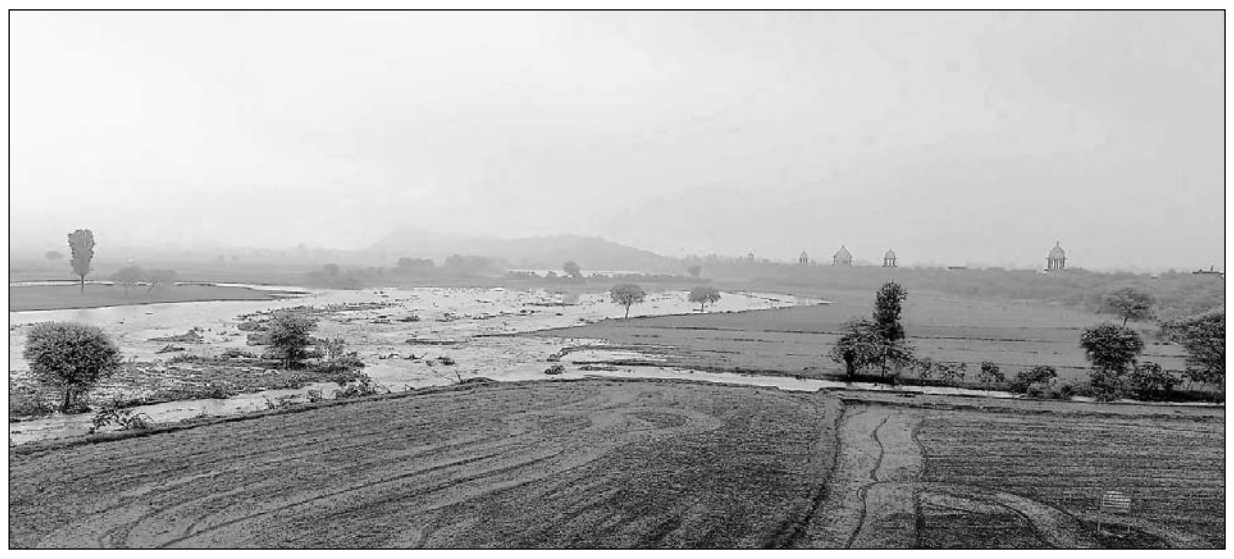

अतिक्रमण हटाने के बाद अलवर के जयसमंद बांध में पानी आना शुरू हो गया।

अलवर, (निसं)। दो दिन की बारिश के बाद शुक्रवार सुबह अलवर से लगते जयसमंद बांध में पानी की आवक हुई है। कुछ दिन पहले बांध की करीब 125 बीघा जमीन से प्रशासन ने अतिक्रमण हटाया था। उसके बाद अच्छी बारिश हुई तो बांध की ओर पानी आया।

जैसे ही रूपारेल नदी में पानी की आवक हुई। पानी बांध तक पहुंचा है। पहले अतिक्रमण के कारण बांध तक पानी नहीं आ पाता था। अलवर कलेक्टर खुद बांध की बाधाओं को हटाने के कार्यों की मॉनिटरिंग करने में लगे हैं ताकि यह सुखद तस्वीर आगे भी बनी रहे। अलवर कलेक्टर डॉ जितेंद्र कुमार सोनी ने 31 जुलाई को जयसमंद बांध का मौका देखा था। इसके बाद तहसीलदार व टीम ने बांध के अतिक्रमण को चिह्नित किया। इसके बाद सितंबर माह में ही जयसमंद बांध से अतिक्रमण हटाया। करीब 125 बीघा जमीन को अतिक्रमण मुक्त किया। अलवर में चार साल पहले अच्छी बारिश के बाद जयसमंद बांध पानी से भर गया था लेकिन, कुछ दिन बाद बांध खाली भी हो गया था। असल में बांध के आस-पास बहुत अधिक संख्या में बोरवेल हैं। इस कारण बांध का पानी जमीन में चला गया। जानकारों का मानना है कि बांध में लगातार पानी आने पर बांध में पानी का रुकाव होगा।

अलवर यूआईटी जल्दी जयसमंद के सौंदर्यीकरण पर 75 लाख रुपए खर्च करेगी। यह राशि यूआईटी ने मंजूर कर दी है। जल्दी टेंडर जारी कर विकास के कार्य शुरू किए जाएंगे। इसके पीछे प्रशासन का मकसद है पर्यटन को बढ़ावा देना।

ऑस्ट्रेलिया में एक कैदी, विलियम बकली जेल से भागा और उसके बाद उसने अपना लगभग सारा जीवन समुद्र के किनारे एक गुफा में बिताया। जेल से भागने और उसके बाद ज़िंदा रहने की उसकी कहानी रोचक है। बकली पर, जानते बूझते चोरी के कपड़े का थान लेने का आरोप था। हालांकि उसका कहना था कि, वह तो केवल एक महिला के लिए कपड़ा ले जा रहा था, उसे नहीं पता था कि वो चोरी का है। फिर भी उसे 14 साल कैद की सजा दी गई और जेल भेज दिया गया। एच.एम.एस. कैलकटा जहाज से उसे सलिवन्स खाड़ी में सोरैन्टो कॉलोनी ले जाया गया। सन् 1803 में जब उसे पता चला कि उसे टैस्मेनिया भेजा जाएगा तो वह जेल से भाग निकला और स्थानीय वादरॉंग समुदाय के साथ रहने लगा। कहा जाता है कि इस दौरान वो एक गुफा में ही रहा। आज इस गुफा को बकली'ज़ केव (बकली की गुफा) कहते हैं। बत्तीस साल बाद बकली बैलारीन प्रायद्वीप के सेंट लिओनार्ड्स के पास जॉन बैटमैन के शिविर में आया। उसके शरीर पर उसके नाम के पहले अक्षर, "डब्ल्यु.बी." गुदे हुए थे जिससे पुष्टि हुई कि वो विलियम बकली है जो 1803 में जेल से भाग गया था और जिसे मृत मान लिया गया था। बैटमैन ने अपना कैम्प सेंट लियोनार्ड्स से मैलबर्न शिफ्ट कर लिया। बकली को भी बाद में माफी मिल गई। उसने दो साल तक श्वोतों और स्थानीय अबॉरिजिनल्स (मूल निवासियों) के बीच मध्यस्थता का काम किया। पर उसकी निष्टा बंटी हुई थी और दोनों ही पक्ष उस पर भरोसा नहीं करते थे। यहां से मोहभंग होने के बाद वह टैस्मैनिया चला गया। जहां उसने नौकरी की और शादी की। सन् 186 में 76 वर्ष की आयु में उसकी मौत हो गई। बकली के फरार होने की कहानी आज भी ऑस्ट्रेलिया में सुनी -सुनाई जाती है और इसके आधार पर एक कहावत भी है, "बकली'ज़ चांस"।

'सत्तर के दशक जैसी बड़ी मंदी एक बार फिर आयेगी'

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री नूरील रूबीनी ने 2023 में आर्थिक मंदी की आशंका जाहिर की

- **नूरील रूबीनी ने ही सबसे पहले कड़े शब्दों में 2008 की मंदी की आशंका जहिर की थी।**
- **नूरील रूबीनी का मानना है कि, अमेरिका और वैश्विक स्तर पर मंदी की शुरुआत इस साल के अंत में होगी, जो 2023 के आखिर तक चल सकती है। यह एक लंबा वक्त होगा, इस दौरान दुनियाभर में इकॉनमी तबाही के मंजर देखे जाएंगे।**
- **नूरील रूबीनी का मानना है कि, बड़े पैमाने पर ऋण संकट देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि, यह एक छोटी मंदी नहीं होने वाली है। यह गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली मंदी होगी।**

वॉशिंगटन, 23 सितम्बर। अमेरिका समेत दुनिया भर में मंदी का सबसे लंबा और बुरा दौर आने वाला है। ये आशंका अर्थशास्त्री नूरील रूबिनी को है। ये वही अर्थशास्त्री हैं, जिन्होंने साल 2008 के आर्थिक संकट की सही भविष्यवाणी की थी। इस मंदी के बाद दुनिया भर के शेयर बाजार क्रैश हो गए थे और बड़े पैमाने पर नौकरियां जाने लगी थीं। अब एक बार फिर नूरील रूबिनी ने मंदी की आहट पहचान ली है।

नूरील रूबिनी का मानना है कि अमेरिका और वैश्विक स्तर पर मंदी की शुरुआत इस साल के अंत में होगी, जो 2023 के आखिर तक चल सकती है। यह एक लंबा वक्त होगा, इस दौरान दुनियाभर की इकोनॉमी तबाही के मंजर देख सकती है।

महंगाई को कंट्रोल करने के लिए अमेरिकी सेंट्रल बैंक फेड रिजर्व की ओर से लगातार ब्याज दरें बढ़ाई जा रही हैं। इस पर नूरील रूबिनी ने कहा कि ऐसा लगता है फेड रिजर्व के बाद दूसरा कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा कि, बिना हार्ड लैण्डिंग के 20 मुद्रास्फीति दर प्राप्त करना फेडरल रिजर्व के लिए मिशन इम्पॉसिबल लगता है। रूबिनी को उम्मीद है कि, फेड रिजर्व नवंबर और दिसंबर में लगातार ब्याज दरों में 50 बेसिस प्वाइंट तक की बढ़ोतरी करने वाला है। रूबिनी को आशंका है कि कई जोंबी संस्थान, बैंक, कॉरपोरेट, शैडो बैंकों का वजूद खत्म हो सकता है।

उन्होंने कहा कि दुनिया मंदी की चपेट में है तो सरकारों से राजकोषीय प्रोत्साहन उपायों की उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारें पहले से ही अधिक कर्ज में चल रही हैं। रूबिनी इस संकट को 1970 के दशक के हालात की तरह देखते हैं। उनका मानना है कि बड़े पैमाने पर ऋण संकट देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि यह एक छोटी मंदी नहीं होने वाली है। यह गंभीर और लंबे समय तक चलने वाली मंदी होगी।

निवेशकों के लिए सलाह रूबिनी ने निवेशकों को भी सलाह दी है। उन्होंने कहा कि आपको इक्विटी पर अब ढील देने की जरूरत है।

आपके पास अधिक नकदी होनी चाहिए। वह लंबी अवधि के बॉन्ड से दूर रहने और शॉर्ट टर्म ट्रेजरी जैसे इन्फ्लेशन इंडेक्स बॉन्ड में निवेश की सलाह दे रहे हैं। बता दें कि नूरील रूबिनी ने 2007-2008 में आर्थिक मंदी को लेकर सटीक भविष्यवाणी की थी। इस वजह से उन्हें डॉक्टर डूम का नाम दिया गया था।

सचिन पायलट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुके हैं कि आने वाले दिनों में राजस्थान की कमान किसके हाथ में होगी। ऐसे में सभी विधायकों के राजनीतिक स्वर बदलने लगे हैं, जिनमें अशोक गहलोत के कट्टर समर्थक बाबूलाल नागर भी शामिल हैं, जिन्होंने शुक्रवार को स्पष्ट रूप से कहा कि वह तो खुद राजेश पायलट के कट्टर समर्थक रहे हैं। ऐसे में संकेतों से समझा जा सकता है कि कांग्रेस आलाकमान का इशारा किस ओर है।

दूसरी ओर जयपुर पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के सदस्यों को सरकारी निवास 8 सिविल लाइन पर बुलाया। इस दौरान बहुत से मंत्री मुख्यमंत्री से मुलाकात करने गए, लेकिन बताया जाता है कि 7 - 8 मंत्री मुख्यमंत्री निवास नहीं पहुंचे। वहीं कुछ मंत्री सचिन पायलट से मिलने उनके सरकारी निवास भी पहुंचे। ऐसे में राजस्थान के तमाम राजनीतिक समीकरण बदलते दिख रहे हैं, जिसमें कि मंत्री और विधायकों का रुख भी बदलता नजर आ रहा है और वह अब बजाए और कहीं जाने की सीधे सचिन पायलट से मिलने उनके निवास पर पहुंच रहे हैं। वही बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी पहले जहां कोच्चि में राहुल गांधी से मुलाकात करने के बाद में दिल्ली जाकर सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी और राहुल गांधी से एक साथ मुलाकात करने वाले थे, लेकिन भारत जोड़ो यात्रा में 1 दिन के विश्राम के दौरान राहुल गांधी के दिल्ली आने का कार्यक्रम निरस्त हो गया। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी दिल्ली जाने के बजाए शिर्डी में साईं बाबा के दर्शन करने के बाद में सीधे जयपुर लौट आए। यहां आकर गहलोत ने अपने मंत्रिमंडल के कई सदस्यों से मुलाकात की है।

सौम्या गुर्जर को सुप्रीम कोर्ट से दो दिन की राहत

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा है कि, न्यायिक रिपोर्ट के आधार पर दो दिन बाद कार्यवाही की जा सकती है

- **सुप्रीम कोर्ट ने ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर यज्ञमित्र सिंह देव के साथ मारपीट व अभद्रता के मामले में ये निर्देश दिए हैं।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने एक फरवरी 2022 को आदेश जारी कर न्यायिक जांच की रिपोर्ट आने तक निलम्बन की कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी।**

जयपुर, 23 सितंबर (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने नगर निगम ग्रेटर के तत्कालीन कमिश्नर यज्ञ मित्र सिंह देव के साथ अभद्रता और मारपीट से जुड़े मामले में ग्रेटर महापौर सौम्या गुर्जर को 2 दिन की राहत दी है। अदालत ने राज्य सरकार को कहा है कि, वो न्यायिक जाँच की रिपोर्ट के आधार पर 2 दिन बाद सौम्या गुर्जर के खिलाफ कार्रवाई करने को स्वतंत्र है।

जस्टिस अजय ओक और जस्टिस संजय किशन कौल की खंडपीठ ने यह आदेश सौम्या गुर्जर की विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। राज्य सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि, न्यायिक जांच रिपोर्ट में सौम्या गुर्जर को दोषी मान लिया गया है। ऐसे में स्पैशल लीव पैटिशन (एस.एल.पी.) को खारिज किया जाए।

गौरतलब है कि, सुप्रीम कोर्ट ने एक फरवरी 2022 को आदेश जारी कर, न्यायिक जांच कार्रवाई का नतीजा आने तक सौम्या गुर्जर के निलंबन आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट के इस अंतरिम आदेश के बाद सौम्या ने वापस मेयर का पद संभाला था। दस अगस्त को न्यायिक जांच में, ग्रेटर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर, यज्ञिमत्र सिंह देव के साथ मारपीट व अभद्रता, मामले की न्यायिक जांच में ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर व तीन पार्षदों, अजय सिंह चौहान, शंकर शर्मा व पारस जैन को नगर पालिका अधिनियम की धारा 39(1) (डी) सहित अन्य प्रावधानों के तहत, दुराचरण, कर्तव्यों के पालन में लापरवाही बरतने व अभद्र भाषा के आरोप में दोषी माना गया था। इसके बाद राज्य सरकार ने जांच रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की थी।

श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों को राहत

सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट आदेश रद्द कर दिया और आर.सी.ए. के चुनावों पर रोक लगाने से इंकार कर दिया

- **सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद आर.सी.ए. ने तीनों जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता बहाल कर दी और अब तीनों जिला संघ आर.सी.ए. की आगामी ए.जी.एम. में शामिल होंगे।**

जयपुर, 23 सितंबर। सुप्रीम कोर्ट ने श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों को संबद्धता मामले में राहत प्रदान की है। सुप्रीम कोर्ट आदेश के बाद इन तीनों जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन (आर.सी.ए.) ने न केवल बहाल कर दिया है, बल्कि आर.सी.ए. की आगामी एजीएम में भी तीनों संघ हिस्सा लेंगे। वहीं इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को रद्द करते हुए मामले को एकलपीठ के पास सुनवाई के लिए भेज दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने एकलपीठ को कहा है कि वह जल्द से जल्द मामले की सुनवाई पूरी करे। वहीं अदालत ने आर.सी.ए. के चुनावों पर भी रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

सुनवाई के दौरान श्रीगंगानगर व अन्य जिला क्रिकेट संघ ने प्रार्थना पत्र पेश कर कहा कि आर.सी.ए. के चुनाव होने वाले हैं और इसकी आपत्ति लोकपाल के समक्ष होती है, लेकिन लोकपाल हाईकोर्ट के रिटायर जज हैं। जबकि नियमानुसार सुप्रीम कोर्ट के रिटायर जज या हाईकोर्ट के रिटायर्ड मुख्य न्यायाधीश ही लोकपाल नियुक्त हो सकते हैं। ऐसे में मौजूदा लोकपाल की नियुक्ति गलत है तो फिर आपत्ति किसके समक्ष पेश करें।

इसलिए आर.सी.ए. के चुनाव पर रोक लगाई जाए। जवाब में आर.सी.ए. ने कहा कि उन्होंने तीनों जिला क्रिकेट संघों को पहले से ही नोटिस भेजकर एजीएम के लिए आमंत्रित कर रखा है और उनकी संबद्धता को भी बहाल कर दिया है। ऐसे में अदालत द्वारा आर.सी.ए. के चुनावों पर रोक नहीं लगाई जाए। इस पर क्रिकेट संघों की ओर से लोकपाल की नियुक्ति गलत होने व मौजूदा लोकपाल को हटाने के लिए कहा, लेकिन अदालत ने कहा कि यह मुद्दा हाईकोर्ट में लंबित है और इसमें वे दखल नहीं देना चाहते। गौरतलब है कि आर.सी.ए. ने पिछले दिनों श्रीगंगानगर, नागौर और अलवर जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता को निरस्त कर दिया था।

इसे हाईकोर्ट में चुनौती देने पर एकलपीठ ने नागौर व श्रीगंगानगर क्रिकेट संघ की संबद्धता रद्द करने पर रोक लगा दी थी, लेकिन खंडपीठ ने लोकपाल को इस मामले में निर्णय लेने की छूट दे दी थी। खंडपीठ के आदेश को जिला क्रिकेट संघों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है।

ब्रिटेन और भारत में फ्री ट्रेड एग्रिमैंट डील क्यों फाइनल नहीं हो पा रही?

- **इस डील के मामले में दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर की पाँच दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक क्रियान्विति नहीं हो पाई है।**

नई दिल्ली, 23 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले महीने ब्रिटेन की यात्रा कर सकते हैं। इस दौरान द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौता (एफ.टी.ए.) पर हस्ताक्षर होने के आसार हैं। दोनों देशों के बीच फ्री ट्रेड एग्रिमैंट (एफ.टी.ए.) को लेकर पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। ज्यादातर बातों पर सहमित बन गई है और बचे हुए कुछ मामलों को जल्द ही सुलझा लिया जाएगा। माना जा रहा है कि दिवाली तक सहमति अपने अंतिम चरण में होगी, जो कि 24 अक्टूबर को सेलिब्रेट की जानी है।

मामले के जानकार एक अधिकारी ने बताया, भारत और ब्रिटेन को विश्वास है कि दिवाली से एफ.टी.ए. पर सहमति बन जाएगी। दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों की उपस्थिति में व्यापार मंत्रियों की ओर से इस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। पी.एम. मोदी के ब्रिटेन दौरे की जानकारी अक्टूबर के पहले हफ्ते में सार्वजनिक की जा सकती है। यह यात्रा दिवाली के आसपास ही होने के आसार हैं। हालांकि, इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

भारत में ब्रिटेन के उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने हाल ही में कहा था कि दिवाली का त्योहार मनाने का सबसे अच्छा तरीका एफ.टी.ए. को पूरा करना होगा। उन्होंने कहा, दोनों देशों के बीच एफ.टी.ए. समझौता होने से न सिर्फ आर्थिक वृद्धि को रफ्तार मिलेगी, बल्कि रोजगार के भी नए अवसर पैदा होंगे।

इस व्यापार समझौते पर दिवाली के त्योहार तक हस्ताक्षर हो जाने की काफी उम्मीद है। भारत और ब्रिटेन ने इस समझौते को दिवाली तक पूरा करने की जो समय सीमा तय की हुई है, वह एक शुभ तिथि साबित होगी।

उद्योग व वाणिज्य मंत्रालय में संयुक्त सचिव राजेंद्र रत्नू ने कहा कि दोनों ही देशों के नेता इस व्यापार समझौते को लेकर दृढ़प्रतिज्ञ हैं।

इस समझौते से कपड़ा, चमड़ा, आभूषण व प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद जैसे श्रम-बाहुल्य क्षेत्रों में भारत के निर्यात को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। मालूम हो कि मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के बीच अधिकांश उत्पादों और सेवाओं का व्यापार लगभग नि:शुल्क हो जाएगा। इससे द्विपक्षीय व्यापार को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है।

गहलोत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिए वह जल्दी ही अपना नामांकन पत्र भरेंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें मुख्यमंत्री पद से पहले इस्तीफा देने की जरुरत नहीं है क्योंकि राहुल गांधी द्वारा उदयपुर संकल्प में व्यक्त किया गया "एक व्यक्ति एक पद" का सिद्धांत चुनाव जीतने के बाद ही अस्तित्व में आता है।

गहलोत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि गांधी परिवार उनके प्रमुख प्रतिद्वंद्वी सचिन पायलट को मुख्यमंत्री के रुप में नहीं थोप सकता क्योंकि अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए शनिवार से जैसे ही नामांकन भरना शुरु होगा कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी के द्वारा अपनी पावर का इस्तेमाल करना बंद हो जाएगा और यह निर्णय उनका स्थान लेने वाले अगले कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा ही लिया जाएगा।

उन्होंने यह भी संकेत दिए कि पार्टी के नए अध्यक्ष के रुप में वह राजस्थान कांग्रेस के विधायकों को ही यह निर्णय लेने देंगे कि वे किस नेता को मुख्यमंत्री बनाना चाहते हैं और यदि विधायक पार्टी अध्यक्ष के नाते उन्हें यह अधिकार देते हैं कि वे किसी को मनोनीत करें तो इसके लिए किसी को मनोनीत कर देंगे क्योंकि यह कांग्रेस की बरसों पुरानी परम्परा रही है।

रूस के नागरिकों में देश छोड़ने की अफरातफरी मची

रूस के लोग कह रहे हैं कि, हमें बेवजह के युद्ध में क्यों धकेला जा रहा है

मॉस्को, 23 सितंबर (वार्ता)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन में लड़ने के लिए रूस से सैनिकों की आंशिक लामबंदी की घोषणा किये जाने के बाद से घबराये नागरिकों के देश छोड़कर जाने की होड़ सी लग गयी है।

बीबीसी की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गयी। दूसरी ओर क्रेमिलन ने उम्रदराज लोगों के लड़ाई में भेजे जाने के डर से देश छोड़कर भागने की रिपोर्टों को अतिश्योक्तिपूर्ण बताया है, लेकिन जॉर्जिया की सीमा पर वाहनों की लंबी कतारें देखी जा सकती हैं जिसमें जंग से बचकर भागने की कोशिश कर रहे लोग शामिल हैं। कुछ लोग तो सीमा पर वाहनों की लंबी कतारों से बचने और पैदल ही सीमा पार करने पर लगी पाबंदी को देखते हुए साइकिलों पर ही सवार होकर सीमा पार करने की कोशिश में लगे हैं।

ऐसे ही एक व्यक्ति ने बीबीसी को नाम का खुलासा नहीं करने की शर्त पर बताया कि वह गुरूवार सुबह नौ बजे से सीमा पार करने के इंतजार में था और देर रात वह सीमा पार करने में कामयाब भी रहा। एक अन्य व्यक्ति ने भी बताया कि उसने सीमा पार करने के लिए 12 घंटे का इंतजार किया।

प्रणय सुप्रीम ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (एस.ई.बी.आई.) को यह सूचना दे दी है कि वे एस.ए.टी. के 20 जुलाई के आदेश के खिलाफ, सर्वोच्च न्यायालय में सिविल अपील दायर कर रहे हैं।

वस्तुत: एस.ए.टी. ने सेबी द्वारा किये गये 25 करोड़ रू. के जुर्माने को कम करके 5 करोड़ रू. कर दिया था।

रॉय दम्पति, जिन्होंने कुल मिलाकर 2000 करोड़ रू. का क्लेम किया है, उस समय से संकट में हैं, जब से उद्योगपति गौतम अडानी के अडानी ग्रुप ने एन.डी.टी.वी. के शत्रुतापूर्ण अधिग्रहण के लिए बोली लगाई हैं। अडानी ग्रुप ने एन.डी.टी.वी. के शेयर हासिल कर लिये हैं तथा 26 प्रतिशत शेयर खरीदने की खुली पेशकश की घोषणा कर दी है।

उद्धव ठाकरे की बॉम्बे हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शिवसेना के एकनाथ शिंदे गुट को तगड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने शिंदे गुट के इस अनुरोध को खारिज कर दिया कि वह याचिका पर तब तक कोई निर्णय ना करे जब तक कि पार्टी पर दावे के विवाद का निस्तारण नहीं हो जाता।

शिंदे गुट के दादर विधायक सदा सरवंकर ने तर्क दिया था कि ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के याचिकाकर्ता इस याचिका के बहाने पार्टी पर दावा करने की कोशिश कर रहे हैं।

ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने यह कहते हुए निर्णय का स्वागत किया कि न्यायपालिका में उसकी आस्था सही साबित हुई है। पार्टी प्रवक्ता मनीष कायान्दे ने कहा कि इस वर्ष की रैली भव्य होगी।

उन्होंने दावे से कहा कि ब्रहन्मुम्बई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन (बी.एम.सी.) पर कुछ दबाव रहा होगा, जिसने अनुमति देने से इन्कार कर दिया था।

सेना के सचिव विनायक राउत ने कहा, "न्यायपालिका में हमारा भरोसा पुख्ता एवं प्रमाणित हो गया है। पिछले कई सीलों से, दशहरा रैली "शिव तीर्थ" (सेना शिवाजी पार्क को इसी नाम से पुकाराती है) पर होती आ रही है लेकिन इस बार शिंदे गुट तथा भाजपा के जरिये इसमें रोड़े अटकाने की कोशिश की गई। लेकिन, अदालत ने इसे खारिज कर दिया।" शिवसेना 1966 से ही हर साल दशहरा पर रैली आयोजित करती आ रही है। इस साल यह आयोजन इसलिये ज्यादा महत्वपूर्ण है क्योंकि सेना अब दो हिस्सों में बंट गई है तथा इसके अलावा, 2020 एवं 2021 में कोविड महामारी के कारण रैली नहीं हो पाई थी।

उद्धव ठाकरे ने अगस्त में शिंदे पर यह कहते हुये कटाक्ष किया था कि पार्टी को पूरा भरोसा नहीं है कि उसे इस आयोजन की अनुमति मिल जायेगी। ठाकरे ने यहां तक भी कह दिया था कि चाहे जो भी हो, वे शिवाजी पार्क में दशहरा रैली करेंगे।

शिवसेना की दशहरा रैली मुम्बई के शिवाजी पार्क में होगी। पूरे राज्य के शिव सैनिक इस रैली में पहुंचेंगे। ठाकरे ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा था, "हम इन तकनीकी चीजों में नहीं जाते कि सरकार इसकी अनुमति देगी या नहीं। हम रैली जरुर आयोजित करेंगे। हमें इस चीज से कोई फर्क नहीं पड़ता कि अन्य लोग रैलियों का आयोजन करेंगे या नहीं। शिवसेना विश्वासघातियों के दम पर आगे नहीं बढ़ी, शिव सैनिकों के रक्त से आगे बढ़ी है।" उम्मीद की जा रही है कि 5 अक्टूबर को होने वाली रैली में, वे महाराष्ट्र के विकास को लेकर लम्बा-चौड़ा भाषण देंगे।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले विरोधी खेमे को बान्द्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स ग्राउंड में रैली के लिये अनुमति मिल चुकी है। एक धीर गंभीर राजनैतिक पर्यवेक्षक ने कहा कि उच्च न्यायालय की अनुमति ठाकरे के नेतृत्व वाली सेना के इस दावे को और मजबूत करेगी, कि वह बाला साहेब ठाकरे द्वारा स्थापित राजनैतिक दल के वारिस हैं तथा उस पार्टी के परम्परागत अनुयायियों में निष्ठा पैदा करेगी, जो पार्टी देश की वित्तीय राजधानी में एक बड़ा राजनैतिक घटक रही है।

गहलोत तब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपेक्षाकृत युवा एवं ज्यादा गतिशील नेतृत्व लाना ही होगा, लेकिन काम में गहलोत एक बड़ा अवरोध सिद्ध हुये हैं। सूत्रों का कहना है कि वे अन्त तक सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनने से रोकने की कोशिश करेंगे, लेकिन इस बार गहलोत का सामना राहुल गांधी के उस उनम्य संकल्प से है तथा राहुल अब गहलोत की किसी भी बकवास को बर्दाश्त करने के मूड़ में दिखाई नहीं दे रहे।

नविका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जस्टिस कृष्ण मुरारी की बैंच ने नविका कुमार को गत 8 अगस्त को दिया गया प्रोटेक्शन भी बढ़ा दिया। बैंच ने व्यवस्था दी कि उनके खिलाफ आठ हफ्तों तक कोई प्रतिरोधी कार्रवाई नहीं की जाएगी, ताकि वे इस अंतरिम अवधि के दौरान कोई विधिक उपचार कर सकें।

बैंच ने उन्हें यह छूट भी दी कि वह मुख्य एफ.आई.आर. को खारिज करवाने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में अपील कर सकती हैं। दिल्ली पुलिस की इन्टैलीजेंस फ्यूजन एण्ड स्ट्रैटेजिक ऑपरेशन्स (आई.एफ.एस.ओ.) यूनिट इस मामले की जांच करेगी।

अपने खिलाफ शुरू की गई कार्यवाहियों को रद्द करवाने के लिए नविका कुमार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस पर कोर्ट ने उन्हें गिरफ्तारी से छूट प्रदान कर एक अंतरिम आदेश देते हुए केन्द्र सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और अन्य राज्यों की सरकारों को नोटिस जारी किए थे।

नविका कुमार के टी.वी. शो की एक डिबेट के दौरान पैगम्बर मोहम्मद पर नूपुर शर्मा की टिप्पणियों का देशभर में विरोध हुआ था और कई खाड़ी देशों ने भी इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की थी।

वो दिन गये जब

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसे दौर में, जब जुबान फिसलने को भी पकड़ लिया जाता हो, तो सोचिये कि उस समय क्या हो सकता है, जब बहुत बड़े सार्वजनिक पद पर बैठा कोई व्यक्ति ऐसी टिप्पणियाँ करते हुये देख लिया जाये। जैसाकि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के साथ हुआ। नड्डा की इस टिप्पणी, कि मदुरै एम्स का 95 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है, को लेकर उन पर चारों तरफ से हमले होने लगे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने गुरुवार मदुरै में उद्योगपतियों की एक मीटिंग में बोलते हुये, यह दावा कर दिया कि मदुरै एम्स का निर्माण कार्य 95 प्रतिशत पूरा हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इस एम्स के लिये एम.बी.बी.एस. की सीटें बढ़ाकर 250 कर दी गई है, जब पूर्व स्वीकृत सीटें केवल 100 थीं।

जब यह बयान तथ्य-जाँचकर्ताओं की जानकारी में आया तो वे तुरन्त उस स्थान पर पहुँचे, जहाँ एम्स की बिल्डिंग बन रही थी। शुक्रवार को, पड़ोस की ही विरुधुनगर सीट के कांग्रेस सांसद एम.बी. मणिक्कम टैगोर तथा मदुरै सांसद वैंकटेशम (सी.पी.एम.) ने जब संबंधित स्थल पर एम्स का भवन ढूढ़ा तो पता चला कि उस जगह पर तो एक ईंट तक नहीं थी।

कांग्रेस सांसद ने व्यंग्य शैली में ट्वीट किया, "मदुरै एम्स (का निर्माण कार्य) 95 प्रतिशत पूरा कराने के लिये धन्यवाद। मैंने तथा मदुरै सांसद ने थोपुर साइट में एक घंटे तक भवन को ढूढ़ा लेकिन कुछ नहीं मिला लगता है। एम्स की इमारत किसी ने चुरा ली है। ..... सादर।"

इसके बाद, एक और ट्वीट में, कांग्रेस सांसद ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने जानना चाहा कि भाजपा अध्यक्ष तथा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा इस प्रकार के मुद्दे पर आखिर झूठ कैसे बोल सके। कांग्रेस सांसद ने कहा, "वे (भाजपा) इसी तरीके से तमिलनाडु तथा मदुरै की जनता के साथ धोखा कर रहे हैं तथा तमिलनाडु इसे कभी नहीं भूलेगा।"

राजनैतिक विश्लेषक सी. रमन ने भी नड्डा की एम्स संबंधी घोषणा पर कटाक्ष करते हुये, ट्वीट किया, "वाह! ..... यह जानकर बड़ी खुशी हुई। लेकिन यह एम्स किस शहर में है, महोदय? मदुरै में तो है नहीं।" बहुत से लोगों ने ट्विटर के जरिये, प्रस्तावित स्थल से एम्स की इमारत के गायब हो जाने पर घोर आश्चर्य व्यक्त किया।

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908

MARUTI SUZUKI

NEXA

BOLD. INTUITIVE. INTELLIGENT.

Driving the New Age Baleno is pure thrill. It's power packed with hi-tech features that take your driving experience to a whole new level. Get ready to drive the bold side of technology.

CREATE. INSPIRE.

Scan the QR code to know how tech goes bold.

THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD

360 View Camera

Head Up Display

22.86cm SmartPlay Pro+

6 Airbags^

In-built Suzuki Connect

NEXA Safety Shield
Standard Across All Variants

- DUAL FRONT AIRBAGS
- ABS WITH EBD
- PEDESTRIAN PROTECTION COMPLIANCE
- COMPLIANT WITH -
  - FULL FRONTAL IMPACT
  - FRONTAL OFFSET IMPACT
  - SIDE IMPACT

Feature and accessories shown may not be part of standard fitment. Black glass shade on the vehicle is due to lighting effect. Images used are for illustration purposes only.

Contact us at
1800-200-[6392]
1800-102-[NEXA]

www.nexaexperience.com
NOW YOU CAN ALSO BOOK ONLINE

UDAIPUR: NEXA GOVERDHAN VILAS (TECHNOY MOTORS PH: 9116007250), **NEXA CENTRAL UDAIPUR** (NAVNEET MOTORS PH: 7665016580).

SMART FINANCE
AN ONLINE END-TO-END CAR FINANCE SOLUTION
Scan to know more.
- Multiple financiers
- Digital Document Upload
- Live Loan status
- Complete transparency (associated fees & charges)

*T&C apply. Offers may vary across variants. Maruti Suzuki reserves the right to withdraw offers at any point in time. Smart Finance available only in select cities. Creative Visualization. Black Glass on vehicle is due to lighting effect. ^For details on funcioning of safety features including air bag,, kindly refer to the Owners manual.